http://amritkalashtimes.com

अमृत कलश टाइम्स

वर्ष : 18
अंक : 29

प्रयागराज सोमवार 14 अक्टूबर 2024

पृष्ठः- 4, मूल्यः- एक रूपया

भारत के बुनियादी ढांचे में क्रांतिकारी बदलाव लाने वाली परिवर्तनकारी पहल : पीएम मोदी

● पहल का उद्देश्य भारत के बुनियादी ढांचे में क्रांति लाना, गतिशक्ति के तीन साल पूरे होने पर पीएम

नई दिल्ली,(एजेंसी)। विभिन्न आर्थिक क्षेत्रों में मल्टी–मॉडल कनेक्टिविटी बुनियादी ढांचे के लिए 13 अक्तूबर, 2021 को पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान (पीएमजीएस–एनएमपी) लॉन्च किया गया था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के तीन साल पूरे होने पर सराहना की है। उन्होंने कहा कि पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान भारत के बुनियादी ढांचे में क्रांतिकारी बदलाव लाने के उद्देश्य से एक परिवर्तनकारी पहल के रूप में उभरा है। इतना ही नहीं, प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि इसने मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाया है, जिससे विभिन्न क्षेत्रों में तेज और अधिक प्रभावी विकास हुआ है। अपनी पोस्ट में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि विभिन्न हितधारकों के निर्बाध एकीकरण से लॉजिस्टिक्स को बढ़ावा मिला है, विलंब कम हुआ है और कई लोगों के लिए नए अवसर उत्पन्न हुए हैं। गतिशक्ति के कारण भारत विकसित भारत के हमारे सपने को पूरा करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है यह प्रगति, उद्यमशीलता और नवाचार को प्रोत्साहित करेगा। बता दें कि विभिन्न आर्थिक क्षेत्रों में मल्टी–मॉडल कनेक्टिविटी बुनियादी ढांचे के लिए 13 अक्तूबर, 2021 को पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान (पीएमजीएस–एनएमपी) लॉन्च किया गया था। यह आर्थिक वृद्धि और सतत विकास के लिए एक परिवर्तनकारी दृष्टिकोण है। यह सात आर्थिक क्षेत्रों– रेलवे, सड़क, बंदरगाह, जलमार्ग, हवाई अड्डे, बड़े पैमाने पर परिवहन और रसद बुनियादी ढांचे द्वारा संचालित है। पीयूष गोयल ने भी की टिप्पणी गौरतलब है कि प्रधानमंत्री मोदी ने केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की पोस्ट को टैग करते हुए अपनी प्रतिक्रिया दी थी।

बाबा सिद्दीकी की गोली मारकर हत्या

● कई राउंड फायरिंग हुई, कांग्रेस छोड़ थामा था एनसीपी का हाथ

● बाबा सिद्दीकी की हत्या की जिम्मेदारी लॉरेंस गैंग ने लीः सोशल मीडिया पर सलमान की मदद करने वालों को धमकाया, मर्डर में यूपी-हरियाणा के शूटर्स शामिल

मुम्बई,(एजेंसी)। महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) नेता बाबा सिद्दीकी की मुंबई में हमलावरों की गोली लगने से मौत हो गई। पेट और सीने में गोली लगने के बाद उन्हें लीलावती अस्पताल ले जाया गया। चोटों के कारण उन्होंने दम तोड़ दिया। हमले के सिलसिले में पुलिस ने तीन लोगों को हिरासत में लिया है। सिद्दीकी निर्मल नगर इलाके में अपने कार्यालय से निकल रहे थे और अपनी कार में बैठे ही थे कि हमला हो गया। जैसे ही वह वाहन के अंदर बैठे, अचानक पटाखे छूट गए, जिससे हमलावर छिप गए और उन्होंने उन पर गोलियां चला दीं। मौके पर पकड़े गए संदिग्धों में से एक के पास भरी हुई मैगजीन वाली दो बंदूकें थीं। उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने रविवार के अपने सभी निर्धारित कार्यक्रम रद्द कर दिए और वह आधी रात को मुंबई लौटेंगे। महाराष्ट्र के गृह मंत्री और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस और वरिष्ठ पुलिस अधिकारी लीलावती अस्पताल पहुंचे। बीजेपी नेता किरीट सोमैया ने कहा कि बाबा सिद्दीकी की हत्या चिंता का विषय है. सरकार को विशेष टीम बनाकर इसकी जांच करनी चाहिए। यह बहुत बड़ी साजिश लगती है। सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। शिवसेना (यूबीटी) के प्रवक्ता आनंद दुबे ने कहा कि जब हमारे शहर मुंबई में पूर्व विधायक सुरक्षित नहीं हैं।

ऑटो रिक्शा में आए थे आरोपी

● पुलिस जांच के अनुसार, दोनों आरोपी पिछले 25-30 दिनों से इलाके की रेकी कर रहे थे। घटना के दिन वे ऑटो रिक्शा से पहुंचे और सिद्दीकी पर हमला किया। पुलिस को संदेह है कि आरोपियों को किसी अंदरूनी व्यक्ति से जानकारी मिल रही थी, जो उन्हें घटनास्थल तक निर्देशित कर रहा था। फिलहाल, पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है और फरार तीसरे आरोपी की तलाश में तीन टीमें गठित की गई हैं। बिश्नोई गैंग के नाम पर सिद्दीकी की हत्या ने मायानगरी मुंबई में खलबली मचा दी है। इस गैंग ने पहले भी कई बार शहर में दहशत फैलाई है।

अस्पताल में भर्ती होने से पहले ही हो गई मौत

● मुंबई के लीलावती अस्पताल के एक चिकित्सक ने कहा है कि महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की मौत संभवतः अस्पताल में भर्ती कराए जाने से पहले ही हो गयी थी। सिद्दीकी को गोली लगने के बाद मुंबई के लीलावती अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उन्होंने बताया कि सिद्दीकी को शनिवार रात गोली लगने के बाद जब लीलावती अस्पताल लाया गया, तब वह बेहोश थे। उन्होंने बताया कि चिकित्सकों ने उन्हें बचाने की करीब दो घंटे तक कोशिश की, लेकिन नाकाम रहे।

बाबा सिद्दीकी की हत्या शर्मनाक और चौंका देने वाली है: शरदचंद्र पवार

मुम्बई,(एजेंसी)। महाराष्ट्र में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) और कांग्रेस ने रविवार को कहा कि पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की हत्या राज्य के लिए चौंकाने वाली और शर्मनाक है। उन्होंने दावा किया कि मुंबई में अराजकता व्याप्त है। राकांपा (शरदचंद्र पवार) के महाराष्ट्र अध्यक्ष जयंत पाटिल ने पूछा कि जब सत्तारूढ़ गठबंधन का नेता ही सुरक्षित नहीं है तो सरकार आम आदमी को कैसे सुरक्षित रख सकती है? पाटिल ने एक बयान में कहा कि राज्य में इससे पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक ने पुलिस थाने में गोलीबारी की थी, जबकि एक पूर्व पार्षद की 'फेसबुक लाइव' प्रसारण के दौरान हत्या कर दी गई थी। कांग्रेस ने सिद्दीकी की हत्या को लेकर मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के इस्तीफे की मांग की। मुंबई में बांद्रा के खेर नगर इलाके में बाबा सिद्दीकी के बेटे एवं विधायक जीशान सिद्दीकी के कार्यालय के बाहर शनिवार रात करीब साढ़े नौ बजे तीन लोगों ने उन्हें गोली मार दी थी। उन्हें लीलावती अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। इस घटना के बाद विपक्ष महाराष्ट्र की कानून–व्यवस्था की स्थिति को लेकर सवाल उठा रही है। पाटिल ने कहा कि सिद्दीकी की हत्या राज्य के लिए "चौंकाने वाली और शर्मनाक" है। उन्होंने कहा, ''राज्य में महिलाओं के खिलाफ अत्याचार जारी हैं।

'महाराष्ट्र में कानून व्यवस्था तबाह है'

● बाबा सिद्दीकी की मौत पर राहुल गांधी ने सरकार को कोसा

● राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर साझा किया पोस्ट

नई दिल्ली,(एजेंसी)। महाराष्ट्र सरकार के पूर्व मंत्री और एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की बीती रात बांद्रा के निर्मल नगर में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। बाबा सिद्दीकी को आज रात साढ़े आठ बजे मुंबई के बड़ा कब्रिस्तान में सुपुर्दे खाक किया जाएगा। लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने मुंबई में एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या पर दुख जारी किया।

राहुल गांधी ने इस हत्याकांड को लेकर महाराष्ट्र सरकार की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में कानून व्यवस्था पूरी तरह से तबाह है। सिद्दीकी एनसीपी में शामिल होने से पहले लंबे समय तक कांग्रेस के सदस्य रहे थे। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर साझा किया पोस्ट महाराष्ट्र सरकार के पूर्व मंत्री और एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की बीती रात बांद्रा के निर्मल नगर में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। बाबा सिद्दीकी को आज रात साढ़े आठ बजे मुंबई के बड़ा कब्रिस्तान में सुपुर्दे खाक किया जाएगा। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि श्बाबा सिद्दीकी के दुखद निधन से हैरान और दुखी हूं। इस मुश्किल वक्त में मेरी संवेदनाएं उनके परिवार के प्रति हैं। इस भयावह घटना ने महाराष्ट्र की खराब कानून व्यवस्था को उजागर कर दिया है। सरकार को इस मामले की जिम्मेदारी लेनी चाहिए और न्याय होना चाहिए। कांग्रेस से रहा लंबा नाता बाबा सिद्दीकी ने राजनीति की शुरुआत एक छात्र नेता के रूप में की थी और लंबे समय तक वह कांग्रेस के सदस्य रहे। वह पहली बार ठडब में कॉरपोरेटर (पार्षद) चुने गए थे। बाबा ने अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत कांग्रेस से की थी और साल 1977 में पार्टी की स्टूडेंट विंग NSUI में शामिल हुए थे। इसके बाद 1980 में बांद्रा युवा कांग्रेस महासचिव, 1982 में बांद्रा युवा कांग्रेस के अध्यक्ष और 1988 में मुंबई युवा कांग्रेस के अध्यक्ष बने। साल 1999 में बाबा कांग्रेस के ही टिकट पर पहली बार बांद्रा वेस्ट सीट से विधायक बने। बाबा सिद्दीकी साल 2014 तक लगातार तीन बार बांद्रा वेस्ट से विधायक चुने गए। वे महाराष्ट्र सरकार में 2004–2008 तक खाद्य और श्रम मंत्री भी रहे। साल 2019 में बाबा सिद्दीकी को महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के संसदीय बोर्ड में शामिल किया गया। फरवरी, 2024 में वे कांग्रेस छोड़ अजित पवार की छब्ब में शामिल हुए थे। वे महाराष्ट्र हाउसिंग एंड एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी के मुंबई डिवीजन के अध्यक्ष भी रह चुके हैं।

महाराष्ट्र में चरमराती कानून-व्यवस्था को उजागर किया: तेजस्वी यादव

पटना,(एजेंसी)। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता और बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने मुंबई में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या पर दुख व्यक्त करते हुए रविवार को कहा कि इस घटना ने महाराष्ट्र में 'चरमराती' कानून–व्यवस्था की स्थिति को उजागर कर दिया। बता दें कि सिद्दीकी (66) को शनिवार रात मुंबई के बांद्रा इलाके के खेर नगर में उनके बेटे व विधायक जीशान सिद्दीकी के कार्यालय के ठीक बाहर तीन लोगों ने गोली मार दी। महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री को अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। यादव ने यहां संवाददाताओं से कहा, "यह घटना चौंकाने वाली और दुखद है। मैं उन्हें (बाबा सिद्दीकी को) व्यक्तिगत रूप से जानता था क्योंकि वह बिहार के गोपालगंज जिले के मूल निवासी थे। अगर मुंबई जैसे शहर में, खासकर बांद्रा इलाके में ऐसी घटना हो सकती है तो फिर कहा जा सकता है कि वहां कोई भी सुरक्षित नहीं है।" उन्होंने कहा, "यह उस राज्य (महाराष्ट्र) में कानून–व्यवस्था की चरमराती स्थिति को दर्शाता है। इस कठिन समय में मेरी संवेदनाएं उनके परिवार के साथ हैं। हम चाहेंगे कि इसका जो मास्टरमाइंड वो जल्द से जल्द पकड़ा जाए।"

ये लोग पूरे देश में गैंगस्टर राज लाना चाहते हैं: बाबा सिद्दीकी की हत्या पर भड़की 'आप'

● दिल्ली में हालात मुंबई जैसे होते जा रहे हैं: सौरभ भारद्वाज

नई दिल्ली,(एजेंसी)। दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने अपने एक्स पोस्ट में कहा कि मुंबई में सरेआम एनसीपी नेता की गोली मारकर हत्या की इस वारदात से ना केवल महाराष्ट्र बल्कि देशभर के लोग खौफजदा हैं। महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री और एनसीपी अजीत गुट के बड़े नेता बाबा सिद्दीकी की मुंबई के बांद्रा ईस्ट में गोली मारकर हत्या कर दी गई। मुंबई पुलिस ने इस मामले में तीन संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार संदिग्ध गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई गैंग के हैं। सूत्रों का कहना है गिरफ्तार किए गए संदिग्धों ने खुद ये दावा किया है। हालांकि अभी तक इस हत्याकांड की जिम्मेदारी किसी ने नहीं ली है। उधर, दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने बाबा सिद्दीकी की हत्या पर बड़ा बयान दिया है। दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने अपने एक्स पोस्ट में कहा कि मुंबई में सरेआम एनसीपी नेता (अजित गुट) की गोली मारकर हत्या की इस वारदात से ना केवल महाराष्ट्र बल्कि देशभर के लोग खौफजदा हैं। दिल्ली में भी कमोबेश यही माहौल बना दिया है। ये लोग पूरे देश में गैंगस्टर राज लाना चाहते हैं। जनता को अब इनके खिलाफ खड़ा होना ही पड़ेगा। मुम्बई में सरेआम छब्ब नेता की गोली मारकर हत्या की इस वारदात से ना केवल महाराष्ट्र बल्कि देशभर के लोग खघैफजदा हैं। दिल्ली में भी कमोबेश यही माहौल बना दिया है इन्होंने। ये लोग पूरे देश में गैंगस्टर राज लाना चाहते हैं। जनता को अब इनके खिलाफ खड़ा होना ही पड़ेगा। श्गृह मंत्री और भाजपा को इसे गंभीरता से लेना चाहिएश दिल्ली सरकार में मंत्री और आप नेता गोपाल राय ने कहा, श्कल की ये घटना काफी दर्दनाक है। मुंबई देश की आर्थिक राजधानी है। इसी तरह की घटनाएं दिल्ली में भी पिछले 1–2 महीने से लगातार बढ़ रही हैं। दिल्ली और मुंबई दोनों की कानून–व्यवस्था भाजपा के पास है। मुझे लगता है कि गृह मंत्री और भाजपा की सरकार को इसे गंभीरता से लेना चाहिए। मुंबई में जिस तरह की घटना हुई है उससे लोगों के बीच दहशत पैदा हुई है कि आज कौन सुरक्षित है? नया जो गैंग साम्राज्य पैदा हो रहा है उसके खिलाफ गृह मंत्री को पहल करनी चाहिए।श दिल्ली में हालात मुंबई जैसे होते जा रहे हैंरू सौरभ भारद्वाज आप नेता सौरभ भारद्वाज ने बाबा सिद्दीकी की हत्या मामले पर कहा, श्मुंबई में भाजपा की सरकार है।

खरगे ने बाबा सिद्दीकी की हत्या पर जताया शोक

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, पार्टी महासचिव के सी वेणुगोपाल तथा संचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी अजित गुट के नेता एवं राज्य के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की हत्या पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा है कि यह वारदात महाराष्ट्र में कानून व्यवस्था पर बड़ा सवाल खड़ा करती है। गौरतलब है कि हमलावरों ने कल देर रात श्री सिद्धिकी की गोली मारकर हत्या कर दी थी। इनमें दो हमलावरों को पकड़ लिया गया है। श्री खरगे ने कहा, ष्महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी का दुखद निधन शब्दों से परे स्तब्ध करने वाला है। दुख की इस घड़ी में, मैं उनके परिवार, दोस्तों और समर्थकों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। न्याय सुनिश्चित किया जाना चाहिए और महाराष्ट्र सरकार को गहन और पारदर्शी जांच का आदेश देना चाहिए। दोषियों को जल्द से जल्द सजा मिले और जवाबदेही सर्वोपरि है। ष्श्री गांधी ने कहा, ष्बाबा सिद्दीकी का दुखद निधन चौंकाने वाला है। इस कठिन समय में मेरी संवेदनाएं उनके परिवार के साथ हैं। यह भयावह घटना महाराष्ट्र में कानून–व्यवस्था के पूरी तरह ध्वस्त होने को उजागर करती है। सरकार को जिम्मेदारी लेनी चाहिए और न्याय मिलना चाहिएष्श्री वेणुगोपाल ने कहा, ष्बाबा सिद्दीकी की हत्या से स्तब्ध और आक्रोशित हूँ।

सिद्दीकी ने समर्पण के साथ लोगों की सेवा की और सांप्रदायिक सद्भाव बनाए रखने के लिए कड़ी मेहनत की।

महाराष्ट्र की राजनीति गरमाई

● कांग्रेस-शिवसेना नेताओं ने की फडणवीस के इस्तीफे की मांग

मुम्बई,(एजेंसी)। एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी के हत्याकांड ने महाराष्ट्र की कानून–व्यवस्था को कटघरे में खड़ा कर दिया है। विपक्षी पार्टियों के नेता लगातार शिंदे सरकार पर निशाना साध रहे हैं और उनसे इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। बता दें, शनिवार को बाबा सिद्दीकी की कई राउंड गोली मारकर हत्या कर दी गयी थी। पिछले तीन दशक में ये पहला मामला है, जब महाराष्ट्र में किसी हाई प्रोफाइल नेता की ऐसे हत्या की गयी है। संजय राउत ने की राज्यपाल के हस्तक्षेप की मांग शिवसेना नेता संजय राउत ने बाबा सिद्दीकी हत्याकांड पर प्रतिक्रिया देते हुए देवेंद्र फडणवीस को गृह मंत्री के पद से हटाने की मांग की है। उन्होंने कहा, श्यह मुख्यमंत्री की विफलता है, जिस तरह से अपने स्वार्थ के लिए पुलिस का इस्तेमाल किया जा रहा है, यह उसका नतीजा है कि कानून और पुलिस का कोई डर नहीं है और इस तरह दिनदहाड़े हत्याएं हो रही हैं। हम अब तक कहते रहे हैं कि देवेंद्र फडणवीस गृह मंत्री के तौर पर विफल रहे हैं, उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए लेकिन अब सिर्फ इस्तीफे की बात नहीं है। राज्यपाल को हस्तक्षेप कर देवेंद्र फडणवीस को गृह मंत्री के पद से हटाना चाहिए। नेता संजय राउत ने छब्ब नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या मामले पर कहा, ष्...यह मुख्यमंत्री की विफलता है, जिस तरह से अपने स्वार्थ के लिए पुलिस का इस्तेमाल किया जा रहा है, यह उसका नतीजा है कि कानून और पुलिस का कोई डर नहीं है और इस तरह दिनदहाड़े हत्याएं हो रही३ कानून–व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई हैरू प्रियंका चतुर्वेदी बाबा सिद्दीकी हत्या के मामले पर शिवसेना (न्ठज) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा, श्बाबा सिद्दकी काफी सम्मानित नेता थे। राजनीति के अलावा उनके सभी लोगों से अच्छे संबंध थे. .. ये घटना दिखाती है कि महाराष्ट्र में हमारी कानून–व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है।

अगर हम घटनाक्रम देखें तो उन्होंने 15 दिन पहले कहा था कि उन्हें धमकियां दी जा रही है। उन्हें ल–श्रेणी की सुरक्षा भी दी गई थी लेकिन फिर भी इतना बड़ी विफलता होना, बांद्रा जैसे क्षेत्र में उनकी हत्या हो जाना कानून–व्यवस्था की नाकामी को दिखाता है। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। क्या हो गया है हमारी मुंबई पुलिस को?

जो दुनिया भर में मानी जाती है। आपने महाराष्ट्र को उस जगह लाकर छोड़ दिया है जहां न तो कानून–व्यवस्था है और न ही न्याय व्यवस्था है, केवल और केवल लूट हो रही है।

अमृत कलश टाइम्स
हिन्दी दैनिक

हितों की रक्षा

न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी की कानूनी गारंटी और कृषि ऋण माफी सहित अन्य मांगों को लेकर किसान आंदोलन फिर शुरू किया जाएगा।संयुक्त किसान मोर्चा में शामिल अलग–अलग किसान संगठनों का कहना है कि वे प्रधानमंत्री, विपक्ष के नेता, लोक सभा और राज्य सभा के सदस्यों को ज्ञापन सौंपेंगे। इस बार दिल्ली कूच करने की बजाय देशव्यापी विरोध की तैयारी कर रहे हैं। महाराष्ट्र, झारखंड, जम्मू–कश्मीर और हरियाणा को वे प्रमुखता देंगे।

इन राज्यों में जल्द ही विधानसभा चुनाव होने हैं। फसल बीमा, किसानों को पेंशन बिजली के निजीकरण को बंद करने के साथ सिंधु और टिकरी सीमा पर शहीद किसानों का स्मारक बनाने की मांग भी कर रहे हैं। समर्थन मूल्य को लेकर यह आंदोलन 2020 में शुरू हुआ था।यूं तो इसे बड़े किसानों का आंदोलन कहा जा रहा है लेकिन किसानों का एक वर्ग मोदी सरकार की कृषि नीतियों से संतुष्ट नहीं है। सरकार की तरफ से मिले आसन और आम चुनाव के दौरान आंदोलन कुछ वक्त के लिए ठहर सा गया था। देश में छोटे किसानों की तादाद बहुत है। दूसरे वे लोग हैं, जो कृषि कायरे के जरिए जीवन यापन करते हैं।

उन सबको इन आंदोलनों या मांगों से ज्यादा फर्क नहीं पड़ता। हालांकि अभिव्यक्ति की आजादी का अधिकार हर देशवासी को है। वह सरकार के समक्ष अपनी कोई भी मांग रखने को आजाद है। मगर पिछले आंदोलन के दरम्यान प्रदर्शनकारियों के कारण कई स्थानों पर जन–जीवन अस्त–व्यस्त हो गया था। आगजनी और पथराव हुआ था।

सुरक्षाबलों पर हथियार भी प्रयोग हुए। इसी दरम्यान पंजाब–हरियाणा हाई कोर्ट ने हरियाणा के शंभू बार्डर पर धरनारत किसानों को हटाने के आदेश दिए हैं। राज्य सरकार को भी बैरिकेड हटाने और चड़ीगढ़–दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग खोलने का आदेश दिया है। पांच महीनों से अवरुद्ध इस मार्ग के खोलने से कारोबारियों और नियमित यात्रियों को होने वाली असुविधा से निजात मिल सकेगी। हम कृषि प्रधान देश हैं इसलिए उनकी जरूरतों और मांगों की अनदेखी नहीं की जा सकती। मगर उन्हें भी उग्र विरोध से बचना चाहिए। अड़ियल रुख दिखाने की बजाय सरकार को भी छोटे किसानों के हितों की रक्षा में कोई कोताही नहीं बरतनी चाहिए।

आज का राशिफल

डॉ बिपिन पाण्डेय
ज्योतिष विभाग
लखनऊ विवि

मेष–आज मन खुश रहेगा व जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। नौकरी में पदोन्नति के आसार हैं आपको थोड़ा संयम से रहने की आवश्यकता होगी। आपके परिवार का कोई सदस्य आपके लिये मार्गदर्शक बनेगा। थकान महसूस होगी। आराम के लिए समय निकालें।

वृष –आज आपको स्वास्थ्य को लेकर आपको थोड़ा सचेत रहने की आवश्यकता होगी। विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य हासिल करने में थोड़ी अधिक मेहनत करनी पड़ सकती है लेकिन उन्हें इस कड़ी मेहनत का अपेक्षित परिणाम भी हासिल होगा। दिन की शुरुआत में आपको थोड़ा सचेत रहने की आवश्यकता है।

मिथुन –आज अपने स्वास्थ्य को लेकर ज्यादा चिंता न करें, क्योंकि इससे आपकी बीमारी और बिगड़ सकती है। पैसे कमाने के नए मौके मुनाफा देंगे। आपको पहली नजर में किसी से प्यार हो सकता है। घर में मरम्मत का काम या सामाजिक मेल–मिलाप आपको व्यस्त रखेगा। व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है।

कर्क –दुश्मन की ताकत का अंदाजा लगाए बिना उलझना ठीक नहीं है। जीवनसाथी की भावनाओं का सम्मान करें। धर्म–कर्म में आस्था बढ़ेगी। विरोधी परास्त होंगे। महत्वपूर्ण कार्य में विलंब संभव है। लाभ होगा। अपने प्रेमी या जीवनसाथी की नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है।

सिंह –आज पुरानी गलतियों को लेकर भय बना रहेगा। साझेदारी में चल रहा गतिरोध दूर होने के आसार है। आयात–निर्यात के कारोबार में बड़ा लाभ संभव है। समान विचारधारा वाले लोगों के साथ काम करना आसान रहेगा। दूसरों की गलती अपने पर आ सकती है। काम में देरी से लाभ की मात्रा सीमित होगी।

कन्या –आज के दिन आपको सुख–समृद्धि, कार्यक्षेत्र में उन्नति, सुखद सफल यात्राएं, परिवार और जीवन साथी का सहयोग सब मिलने के आसार हैं। विवाहित व्यक्ति अपने जीवनसाथी में पूर्णतया विश्वास जतायें अन्यथा संबंधों में खटास पैदा हो सकती है। आपके कर्मक्षेत्र, आपके सम्मान व आपके नाम पर पडने के आसार हैं।

तुलाःआज भाग्य आपके साथ है। लंबे समय से चले आ रहे प्रेम संबंधों को नया रूप देने के लिए अच्छा मौका है। आज स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहें। अचानक सेहत बिगड़ सकती है और कई जरूरी काम भी रुक सकते हैं। परिवार के लोग आपसे थोड़े नाराज हो सकते हैं।

वृश्चिकः आज आप अकेलापन महसूस कर सकते हैं, इससे बचने के लिए कहीं बाहर जाएं और दोस्तों के साथ कुछ समय बिताएं।आज जिस नए समारोह में आप शिरकत करेंगे, वहाँ से नयी दोस्ती की शुरुआत होगी। आज आपका प्रिय आपके साथ में समय बिताने और तोहफे की उम्मीद कर सकता है।

धनुः आज आपके परिश्रम से किए गए कार्य में सिद्धि होगी। नौकरी में आप का सम्मान बढेगा। यात्रा के दौरान आप नयी जगहों को जानेंगे। और महत्वपूर्ण लोगों से मुलाकात होगी। आप अपने प्रिय द्वारा कही गयी बातों के प्रति काफी संवेदनशील होंगे। अगर आप सूझ–बूझ से काम लें, तो आज अतिरिक्त धन कमा सकते हैं।

मकरः आज आपके आय के नए स्रोत बनेंगे। आकस्मिक धन के अवसर मिलेंगे। मित्रों और जीवनसंगिनी के सहयोग से राह आसान होगी। आध्यात्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। दफ्तर का तनाव आपकी सेहत खराब कर सकता है। अपने जज्बात पर काबू रखें। आज आपको अपने प्रिय की याद सताएगी।

कुंभः आज आप करिअर से जुड़े फैसले खुद करें, बाद में इसका लाभ आपको मिलेगा। सहकर्मियों और कनिष्ठों के चलते चिंता और तनाव के क्षणों का सामना करना पड़ सकता है। माता–पिता की मदद से आप आर्थिक तंगी से बाहर निकलने में कामयाब रहेंगे। आज दोस्तों के साथ बाहर घूमना आपके मन को खुशी देगा।

मीनः आज भाग्य पर निर्भर न रहें और अपनी सेहत को सुधारने की कोशिश करें। आप उन लोगों की तरफ वादे का हाथ बढ़ाएंगे, जो आपसे मदद की गुहार करेंगे। यह दिन आपके सामान्य वैवाहिक जीवन से कुछ हटकर होने वाला है। यह दिन आपके सामान्य वैवाहिक जीवन से कुछ हटकर होने वाला है।

संविधान और संसद के लिए खतरनाक प्रवृत्ति

रजनीश कपूर

आनेवाले वर्षों में कोई सांसद श्जय अमेरिकाय, श्जय पाकिस्तानय या श्जय चीनय का भी नारा लगा सकता है। इस तरह भारत की संसद संयुक्त राष्ट्र का अखाड़ा जैसी बन जाएगी। इसलिए इस खतरनाक प्रवृत्ति पर लोकसभा और राजसभा के अध्यक्षों को फौरन रोक लगानी चाहिए।ज् संसद में चाहे ष्जय श्री रामष का नारा लगे और चाहे ष्अल्लाह हो अकबरष का दोनों ही राजनैतिक उद्देश्य से लगाए जाने वाले नारे हैं जिनका उद्घोष संसद में नहीं होना चाहिए।

लोकसभा की सदस्यता की शपथ लेते समय हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने एक ऐसा नारा लगाया जिस पर पूरा देश चौक गया। उन्होंने श्जय भीमय, श्जय मीमय, ृजय तेलंगानाय और श्जय फिलिस्तीनय का नारा लगाया। जहां तक श्जय भीमय और श्जय तेलंगानाय जैसे नारों की बात है तो ये देश के सीमाओं के दायरे में आते हैं। पर एक दूसरे देश की जयकार बोलना, वो भी संसद के भीतर, ये किसी के गले नहीं उतरा। ओवैसी ने एक बहुत ही गलत परंपरा की शुरुआत की है। आनेवाले वर्षों में कोई सांसद श्जय अमेरिकाय, श्जय पाकिस्तानय या श्जय चीनय का भी नारा लगा सकता है। इस तरह भारत की संसद संयुक्त राष्ट्र का अखाड़ा जैसी बन जाएगी। इसलिए इस खतरनाक प्रवृत्ति पर लोकसभा और राजसभा के अध्यक्षों को फौरन रोक लगानी चाहिए।

सब जानते और मानते हैं कि भारत एक धर्म निरपेक्ष राष्ट्र है। धर्म निरपेक्ष का मतलब नास्तिक होना नहीं है। बल्कि इसका भाव है, सर्व धर्म समभाव, यानी हर धर्म के प्रति सम्मान का भाव। पर देखने में यह आया है कि भारत में रहने वाले मुसलमानों और हिंदुओं के कुछ नेता सांप्रदायिकता को भड़काने के उद्देश से धार्मिक उन्माद बढ़ाने वाले नारे लगवाते हैं। जिससे उनके वोटों का ध्रुवीकरण हो। जहां एक तरफ बरसों से मुसलमानों को अल्पसंख्यक बता कर उनके पक्ष में ऐसे काम किये गये जो संविधान की मूल भावना के विरुद्ध थे। जैसे रमजान में सरकारी स्तर पर इफ्तार की दावतें आयोजित करना। अगर ऐसी दावतें अन्य धर्मों के उत्सवों पर भी की जातीं तो किसी को बुरा नहीं लगता। पर ऐसा नहीं हुआ। नतीजा यह हुआ कि हिंदुत्व की राजनीति करने वालों को अपने समर्थकों को उकसाने का आधार मिल गया। शा

यद इसी का परिणाम है कि पिछले दस वर्षों में भाजपा के सांसदों और विधायकों ने संसद और विधान सभाओं में जोर–जोर से व सामूहिक रूप से धार्मिक नारे लगाना शुरू कर दिया। इसका परिणाम ये हो रहा है कि अब मुसलमानों के बीच भी उत्तेजना और अक्रमकता पहले से ज़्यादा बढ़

गई है। जबकि ये एक खतरनाक प्रवृत्ति है, जिसे सख्ती से रोका जाना चाहिए वरना समाज में गतिरोध और हिंसा बढ़ेगी। वैसे इस तरह का वातावरण असली मुद्दों से ध्यान हटाने के लिए भी तैयार किया जाता है। इसलिए समझदार हिंदू और मुसलमान अपने धर्म के प्रति आस्थावान होते हुए भी इस हवा में नहीं बहते हैं।

हिंदुत्व का समर्थक कोई पाठक मुझसे तर्क कर सकता है कि हिंदुस्तान में भाजपा के सांसदों और विधायकों को अगर हिन्दुवादी नारे लगाने से रोका जाएगा तो क्या हम फिलिस्तीन में जा कर ये नारे लगाएँगे? मेरा उत्तर है कि मैं एक सनातन धर्मी हूँ और मेरा परिवार और पूर्वज शुरू से आरएसएस से जुड़े रहे हैं। लेकिन पिछले 30 वर्षों में हिंदुत्व की राजनीति का जो चेहरा मैंने देखा है उससे मन में कई सवाल खड़े हो गये हैं। जब देश की आबादी 141 करोड़ है, इनमें से 97 करोड़ वोटर हैं। उसमें से केवल 36.6 प्रतिशत वोटरों ने ही इस चुनाव में भाजपा को वोट दिया है। मतलब ये कि कुल 111 करोड़ हिंदुओं में से केवल 35 करोड़ हिंदुओं ने बीजेपी को वोट दिया। तो भाजपा सारे हिन्दू समाज के प्रतिनिधित्व का दावा कैसे कर सकती है? चूँकि देश की आबादी में 78.9 प्रतिशत हिंदू हैं और उनमें से एक छोटे से हिस्से ने बीजेपी को वोट दिया है। मतलब बहुसंख्यक हिंदू भाजपा की नीतियों से सहमत नहीं हैं।हम सब मानते हैं कि हमारा धर्म सनातन धर्म है। जिसका आधार है वेद, पुराण, गीता, भागवत, रामायण आदि ग्रंथ। क्या भाजपा इनमें से किसी भी ग्रंथ के अनुसार आचरण करती है? अगर नहीं तो वे कैसे हिंदू धर्म के पुरोधा होने का दावा करती है?हमारे धर्म के चार स्तंभ हैं, उन चारों पीठों के शंकराचार्य जिन्हें आदि शंकराचार्य जी ने सदियों पहले भारत के चार कोनों में स्थापित किया था। क्या भाजपा इन चारों शंकराचार्यों को यथोचित सम्मान देती है और इनके ही मार्ग निर्देशन में अपनी धार्मिक नीति बनाती है? अगर नहीं तो फिर बीजेपी हिंदू धर्म के पुरोधा कैसे हुए?सनातन धर्म में साकार और निराकार दोनों ब्रह्म की उपासना स्वीकृत है। इस तरह उपासना के अनेक मार्ग व अधिकृत संप्रदाय हैं। इसलिए पूरे देश में व्याप्त सनातन धर्म का कोई एक झंडा या एक जय घोष नहीं होता। जैसे श्जय श्री रामय किसी अधिकृत संप्रदाय का जयघोष नहीं है। प्रभु श्री राम को लोग श्जय सिया रामय, श्राम–रामय श्जय रामजी कीय आदि अनेक संबोधनों से पुकारते हैं। श्जाकी रही भावना जैसी हरि मूरत देखी तिन तैसीय। फिर केवल श्जय श्री रामय धार्मिक उदघोष कैसे हुआ?

ऐसी तमाम अन्य सब बातों को भी देख सुनकर कर यह स्पष्ट होता है कि भाजपा का हिंदुत्व सनातन धर्म नहीं है। ये इनकी राजनीति के लिये एक अस्त्र मात्र है। इसका अर्थ यह हुआ कि संसद में चाहे ष्जय श्री रामष का नारा लगे और चाहे ष्अल्लाह हो अकबरष का दोनों ही राजनैतिक उद्देश्य से लगाए जाने वाले नारे हैं जिनका उद्घोष संसद में नहीं होना चाहिए। जय फिलिस्तीन का नारा तो और भी खतरनाक प्रवृत्ति को दर्शाता है। आशा की जानी चाहिए कि संसद के दोनों सदनों के अध्यक्ष इस विषय पर गंभीरता से विचार करके संविधान और संसद की गरिमा बचाने का काम करेंगे।

भारतीय पुरुषों का ही दबदबा नहीं

संदीप भूषण

ऐतिहासिक घटनाओं के लिहाज से 30 जून बेहद महत्त्वपूर्ण तारीख है। दुनिया में खेल के माध्यम से सद्भाव कायम करने वाली सबसे बड़ी संस्था अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति की स्थापना इसी दिन हुई थी।

बात भारतीय खेल जगत के नजरिए से करें तो यह तारीख और भी अहम हो जाती है। बीती 30 जून को भारतीय क्रिकेट इतिहास में दो बड़ी घटनाएं हुई। एक तरफ टी 20 विश्व कप फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को मात देकर भारतीय पुरु ष टीम ने 13 वर्ष का खिताबी सूखा समाप्त किया तो वहीं दूसरी तरफ, भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में दक्षिण अफ्रीका को टेस्ट में दस विकेट से हरा दिया।

तर्क दिया जा सकता है कि दोनों मुकाबले का स्तर अलग था, लेकिन खिलाड़ियों का जज्बे और जुनून में कोई फर्क नहीं था। पुरु ष टीम की जीत से भारत को विश्व कप मिला तो महिला टीम की जीत ने बता दिया कि क्रिकेट के मैदान पर सिर्फ भारतीय पुरु षों का ही दबदबा नहीं है, महिलाएं भी उनसे कदमताल कर रही हैं। महिला टीम की बड़ी जीत से कई संदेश निकले जो क्रिकेट में भारतीय महिलाओं के उज्ज्वल भविष्य की तस्वीर पेश करते हैं। पिछली बार नवम्बर, 2014 में भारतीय टीम ने जब दक्षिण अफ्रीका के साथ घरेलू मैदान पर टेस्ट खेला था, तब मिताली राज कप्तान थीं। हरमनप्रीत कौर भी इस टेस्ट का हिस्सा थीं।

यह मैच तो भारत ने जीत लिया था लेकिन तब किसी को इल्म नहीं था कि 17 रन बनाने वाली हरमनप्रीत की कप्तानी में एक दिन अफ्रीकी टीम को इतनी बड़ी हार का सामना करना पड़ेगा। यह भी तथ्य है कि तब महिला टीम को लेकर भविष्य की तस्वीर धुंधली नजर आती थी। लेकिन बीते एक दशक के दौरान महिला क्रिकेट खिलाड़ियों ने अपने प्रदर्शन से सबको हैरान कर दिया है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मुकाबले में भारत ने एकतरफा दबदबा बना कर रखा था। इसकी शुरु आत शेफाली के धमाकेदार दोहरे शतक और मंधाना के शतक से हुई। इसके बाद गेंदबाजों ने अफ्रीकी खिलाड़ियों पर शिंकजा कसा। खासकर स्नेह राणा के 10 विकेट ने मैच ही पलट दिया। टी 20 विश्व कप के शोर में भले ही इस मैच को दर्शक कम मिले लेकिन महिला क्रिकेटरों का जुनून देखते ही बन रहा था।

इससे पहले महिला टीम ने अफ्रीका को वनडे सीरीज में भी 3–0 से मात दी। किसी भी टीम को आगे ले जाने में कप्तान की बड़ी भूमिका होती है। हरमनप्रीत ने उस भूमिका को बखूबी निभाया है। उन्होंने शेफाली वर्मा, स्मृति मंधाना, जेमिमा रोड्रिगेज, पूजा वस्त्रकार, स्नेह राणा जैसी शानदार खिलाड़ियों को तैयार किया। आज यही खिलाड़ी भारत का भविष्य लिख रही हैं। इन सभी खिलाड़ियों के साथ भारतीय टीम को विजय रथ पर सवार करने के लिए हरमनप्रीत की जितनी भी तारीफ हो कम ही होगी। उनकी कप्तानी में भारतीय टीम लगातार बेहतर होती जा रही है। कौर की कप्तानी में भारतीय टीम ने पिछले साल इंग्लैंड के खिलाफ घर पर टेस्ट मैच खेला था।

इसमें भी टीम ने जीत हासिल की थी और उसके बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम को भी मात दी थी। अब साउथ अफ्रीका के खिलाफ चेन्नई टेस्ट जीतने के साथ हरमनप्रीत कौर महिला टेस्ट क्रिकेट इतिहास में पहली कप्तान बन गई हैं, जिनके नेतृत्व में टीम ने लगातार तीन मुकाबलों को अपने नाम किया है। हरमनप्रीत ने भारतीय महिला टीम की दिग्गज पूर्व खिलाड़ी मिताली राज के कप्तान के रूप में सबसे ज्यादा टेस्ट जीत के रिकॉर्ड को भी बराबर कर लिया है। कौर के नेतृत्व में टीम इंडिया ने जहां तीन मुकाबले खेलते हुए सभी में जीत हासिल की है तो मिताली राज के नेतृत्व में भारतीय महिला टीम ने आठ टेस्ट मैच खेले थे जिनमें से तीन में जीत हासिल हुई थी।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की ये उपलब्धियां रिकॉर्ड बनाने से इतर हमारे समाज में महिला सशक्तिकरण की अलख जगा रही हैं। भारत जैसे देश, जहां महिलाओं की स्थिति में बड़े बदलाव की जरूरत है, ये उपलब्धियां हमारी पारंपरिक संस्कृति में घर कर गई विसंगतियां दूर करने में भी मददगार साबित हो रही हैं। लैंगिक समानता के सपने को साकार करने में मदद कर रही हैं। आम तौर पर पैसे की कमी से जूझने के कारण खेल महसंघ महिला खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण और सुविधाएं मुहैया नहीं करा पाते।

महिला खिलाड़ियों की बेंच स्ट्रेंथ मजबूत नहीं कर पाते। अपनी मजबूत अवसंरचना के कारण क्रिकेट कम से कम इन सभी कमियों को पूरी कर रही है। वे लड़कियों को जमीनी स्तर पर सुविधाएं मुहैया करा रहे हैं। इससे महिलाओं की क्रिकेट में भागीदारी बढ़ रही है, और उन्हें समाज की रूढ़िवादी परंपराओं को तोड़ने में मदद मिल रही है। महिला क्रिकेट की लगातार उपलब्धियों ने लैंगिक असमानता पर नई बहस छेड़ दी है। माना जा रहा है कि महिला क्रिकेट की बढ़ती लोकप्रियता और उनका प्रदर्शन देश की असंख्य बेटियों के लिए भी मिसाल बनेगा।

क्यों युवा और कारोबारी कर रहे खुदकुशी

आर.के. सिन्हा

बीते सालों की तरह इस बार भी सारे देश ने 5 सितंबर को गर्मजोशी से अध्यापक दिवस मनाया। सोशल मीडिया पर तो अध्यापकों का उनके राष्ट्र निर्माण में योगदान के लिए विशेष रूप से आभार व्यक्त किया जा रहा था। पर अब सुधी अध्यापकों, मनोचिकित्सकों और अन्य जागरूक नागरिकों को यह भी सोचना होगा कि नौजवानों का एक बड़ा वर्ग निराशा और नाकामयाबी की स्थितियों में अपनी जीवनलीला खत्म करने पर क्यों आमादा है। अब शायद ही कोई दिन ऐसा गुजरता हो जब अखबारों में किसी प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने वाले युवा के खुदकुशी करने संबंधी दिल दहलाने वाला समाचार ना छपता हो। यह बेहद गंभीर मसला है और इस पर सारे देश को सोचना होगा। इसी तरह से आजकल बिजनेस में घाटा होने के कारण भी आत्म हत्या करने वालों की तादाद लगातार बढ़ती ही चली जा रही है। अभी कुछ दिन पहले एक साइकिल बनाने वाली मशहूर कंपनी के अरबपति मालिक ने भी खुदकुशी कर ली थी।

पिछले साल 6 दिसंबर को लोकसभा में बताया गया था कि देश में 2019 से 2021 के बीच 35,000 से ज़्यादा छात्रों ने आत्महत्या की। छात्रों के खुदकुशी करने के मामले 2019 में 10,335 से बढ़कर 2020 में 12,526 और 2021 में 13,089 हो गए। इसमें कोई शक नहीं है किसी भी हालत में किसी खास परीक्षा में सफल होने के लिए माता–पिता, अध्यापकों और समाज का भारी दबाव और अपेक्षाएं छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य पर घातक प्रभाव डाल रही हैं। राजस्थान का एक शहर है कोटा। यहां पर हर साल एक अनुमान के मुताबिक, हजारों नहीं लाखों छात्र – छात्राएँ देश के शीर्ष कॉलेजों में से एक में प्रवेश पाने की उम्मीद में कोटा पहुंचते हैं। इनके जीवन का एक ही लक्ष्य होता है कि किसी तरह से प्ज्ध्छप्ज या मेडिकल की प्रवेश परीक्षा को क्रैक कर लिया जाए।

आप कोटा या फिर देश के किसी भी अन्य शहर में चले जाइये जहां पर मेडिकल और इंजीनियरिंग कॉलेजों के साथ–साथ सिविल सेवाओं वगैरह के लिए कोचिंग संस्थान चल रहे हैं। वहां पर छात्र अत्यधिक दबाव और असफलता के डर से मनोवैज्ञानिक रूप से बहुत कष्ट की स्थिति में हैं। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के पूर्व अध्यक्ष डॉ.विनय अग्रवाल कहते हैं कि हमें खुदकुशी के बढ़ते मामलों पर सिर्फ चिंता ही व्यक्त नहीं करनी। हमें इसे रोकना ही होगा। हमने युवाओं, कारोबारियों और अन्य लोगों के आत्म हत्या करने के कारणों और इस समस्या के हल तलाशने के लिए विश्व आत्महत्या निवारण दिवस (10 सितंबर) को राजधानी दिल्ली में एक महत्वपूर्ण सेमिनार का भी आयोजन किया है, जहां पर मनोचिकित्सक, पत्रकार और सोशल वर्कर अपने अनुभवों के आधार पर अपने पेपर पढ़ेंगे। उन निष्कर्षों के बाद हम आगे की रणनीति बनाएँगे। कुछ कोचिंग सेंटर चलाने वाले भी इस तरह के प्रयास तो कर रहे हैं ताकि छात्र बहुत दबाव में न रहें। राजधानी के एक कोचिंग सेंटर के प्रमुख ने बताया कि हम छात्रों की लगातार काउंसलिंग भी करते रहते हैं। उनके अभिभावकों के भी संपर्क में रहते हैं। कहा जाता है कि भारत में दुनिया भर में सबसे अधिक युवा आत्महत्या दर है। इस बीच, राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के अनुसार, 2020 में हर 42 मिनट में एक छात्र ने अपनी जान दे दी। यह आंकड़ा सच में डराता है।

देखिए, नौजवानों को बिल्कुल रीलेक्स माहौल देना होगा माता–पिता

और उनके अध्यापकों को , ताकि वे बिना किसी दबाव में पढ़ें या जो भी करना चाहते हैं, करें। हरियाणा के सोनीपत में सेंट स्टीफंस कैम्ब्रिज स्कूल चलाने वाली दिल्ली ब्रदरहुड सोसायटी (डीबीएस) के अध्यक्ष और सोशल वर्कर ब्रदर सोलोमन जॉर्ज कहते हैं कि हम पूरी तरह से सुनिश्चित करते हैं कि हमारे स्कूल या सेंट स्टीफंस कॉलेज में पढ़ने वाले बच्चे बिना किसी दबाव में पढ़े–लिखे। हम अपने अध्यापकों की भी क्लास लेते हैं कि किसी भी बच्चे के साथ कक्षा में उसकी जाति न पूछी जाए और या न ही उसके पिता की आय। कुछ गैर–जिम्मेदार अध्यापक अपने विद्यार्थियों से इस तरह के गैर–जरूरी सवाल पूछते हैं। फिर वे एक ही कक्षा में पढ़ने वाले बच्चों की एक–दूसरे से तुलना भी करने लगते हैं। इस कारण वे जाने–अनजाने एक बच्चे को बहुत सारे बच्चों को कमजोर साबित कर देते है। जाहिर है, इस वजह से उस छात्र पर बहुत नकारात्मक असर पड़ता है जो कमतर साबित कर दिया गया होता है। इसी तरह के बच्चे कई बार निराशा और अवसाद में डूब जाते हैं। देखिए बच्चे को पालना एक बीस वर्षीय प्लान है। कौन नहीं चाहता कि उसका बच्चा समाज में ऊंचा मुकाम हासिल करे, शोहरत–नाम कमाए? पर इन सबके लिए जरूरी है कि बच्चे को उसकी काबिलियत और पसंद के अनुसार मनचाहा करियर चुनने की आजादी भी दी जाए। यह एक कड़वा सच है कि हमारे समाज में सफलता का पैमाना अच्छी नौकरी, बड़ा घर और तमाम दूसरी सुख–सुविधाएं ही मानी जाती है।अफसोस कि हम भविष्य के चक्कर में अपने बच्चों को आत्महत्या जैसे कदम उठाने पर मजबूर करने लगे हैं। ब्रदर सोलोमन जॉर्ज कहते हैं कि हम अपने यहां बच्चों को इस बात के लिए तैयार करते हैं कि वे कठिन परिस्थितियों का भी सामना करें। असफलता से हार मान लेने से जीवन नहीं चलता। यह तो कायरता है। महान कवि पद्मभूषण डॉ० गोपाल दस नीरज की पंक्तियाँ याद आ रही हैं, " छुप– छुप अश्रु बहाने वालों , जीवन व्यर्थ लुटाने वालों , इक सपने के मर जाने से , जीवन नहीं मरा करता हैं।" सफलता और असफलता का चक्र तो चला करता है । उसे स्वीकार करने में ही भला है ।

जैसा किमैंने ऊपर जिक्र किया कि बीते दिनों एक अरबपति बिजनेसमैन ने राजधानी के अपने भव्य बंगले में गोली मारकर सुसाइड कर लिया है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है। कहा जा रहा है कि बिजनेस में नुकसान होने के कारण ही साइकिल बनाने वाली कंपनी के मालिक ने आत्महत्या की।राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों से पता चला है कि 2020 में, जब कोविड– की लहर ने व्यापार को तबाह कर दिया था, तब 11,716 व्यापारियों ने आत्महत्या की थी, जो 2019 की तुलना में 29ः अधिक थी, जब 9,052 व्यापारियों ने अपनी जान ले ली थी।कर्नाटक में 2020 में व्यवसायियों द्वारा आत्महत्या से सबसे अधिक मौतें (1,772) दर्ज की गईं – जो 2019 से 103ः अधिक है, जब राज्य में 875 व्यवसायियों ने अपनी जान ले ली थी।महाराष्ट्र में 1,610 व्यवसायियों ने आत्महत्या की, जो पिछले वर्ष से 25ः अधिक है, और तमिलनाडु में 1,447 की मृत्यु हुई, जो 2019 से 36ः अधिक है। यह सबको पता है कि भारत के व्यवसायी समुदाय का बड़ा हिस्सा सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों से जुड़ा है,जो बड़े झटकों को सहन नहीं कर पाता है। इसके चलते कई कारोबारियों ने कर्ज में डूबने या बिजनेस में नुकसान के कारण आत्महत्या कर ली। लब्बो लुआब यह है कि भारत में युवाओं और कारोबारियों के साथ – साथ अन्य लोगों के आत्महत्या की बढ़ती घटनाओं को भी प्रभावी ढंग से रोकना ही होगा।

सेवायोजन विभाग के पोर्टल पर करायें पंजीकरण

प्रतापगढ़। जिला सेवायोजन अधिकारी अनुभव त्रिपाठी ने बताया है कि इजराइल देश में निर्माण श्रमिकों को रोजगार प्रदान करने की प्रक्रिया में भारत सरकार एवं इजराइल सरकार के मध्य हुये अनुबन्ध के अन्तर्गत एन0एस0डी0सी0 क्रियान्वयन संस्था नामित है। एन0एस0डी0सी0 द्वारा पी0आई0बी0एस0 के साथ समन्वय स्थापित करते हुये 04 कैटगरी के निर्माण श्रमिकों क्रमशः फ्रेम वर्क/शटरिंग कारपेन्टर, आयरन बेन्डिंग, सिरेमिक टाइल व प्लास्टरिंग को इजराइल भेजे जाने की कार्यवाही की जानी है। निर्माण श्रमिकों हेतु प्रमुख अर्हताओं के सम्बन्ध में बताया है कि उम्र सीमा 25–45 वर्ष, कम से कम 03 वर्ष की वैधता का पासपोर्ट, सम्बन्धित ट्रेड में कम से कम 03 वर्ष का कार्य अनुभव, इजराइल में पूर्व में कार्य न किया हो इत्यादि है। अन्य सम्बन्धित शर्ते एवं अर्हतायें सेवायोजन विभाग के पोर्टल पर उल्लिखित है। इस हेतु अर्हता प्राप्त इच्छुक निर्माण श्रमिकों को सेवायोजन विभाग के एकीकृत पोर्टल पर जॉबसीकर के रूप में जाकर इजराइल हेतु पंजीकरण कराना है।

उन्होने बताया है कि इजराइल सरकार की संस्था पी0आई0बी0ए0 द्वारा निर्माण श्रमिकों के चयन हेतु प्रोफेशनल टेस्ट ड्राइव की कार्यवाही से पूर्व पोर्टल पर पंजीकृत श्रमिकों के अंग्रेजी भाषा के ज्ञान के मूल्यांकन सम्बन्धी प्री–र्सीनिंग की कार्यवाही जनपद के नोडल आईटीआई के प्रधानाचार्य एवं सेवायोजन कार्यालय के जिला रोजगार सहायता अधिकारी द्वारा की जायेगी। प्री–स्क्रीनिंग की कार्यवाही इजराइल में श्रमिकों को भेजने हेतु चयन कार्यवाही की प्रथम चरण की प्रक्रिया है। इसके उपरान्त प्री–स्क्रीनिंग में उत्तीर्ण श्रमिकों का आरपीएल कराया जायेगा, आरपीएल प्रमाण पत्र प्राप्त श्रमिकों के चयन हेतु इजराइल की संस्था पी0आई0बी0ए0 द्वारा प्रोफेशनल टेस्ट लिया जायेगा। इस टेस्ट में उत्तीर्ण श्रमिकों के पुलिस वेरीफिकेशन एवं मेडिकल की कार्यवाही की जायेगी। प्री–स्क्रीनिंग/आरपीएल की कार्यवाही किसी भी प्रकार से श्रमिकों के इजराइल भर्ती हेतु चयन होने की वैधता नहीं है, अपितु पीआईबीए द्वारा चयन की कार्यवाही का एक चरण है। आईटीआई एवं सेवायोजन कार्यालय द्वारा इजराइल की संस्था पीआईबीए को चयन की कार्यवाही हेतु सम्बन्धित ट्रेड के निर्माण श्रमिक उपलब्ध कराना है। अंतिम रूप से चयनित अभ्यर्थियों को इजराइल भेजे जाने का कार्य एन0एस0डी0सी0 व पी0आई0बी0ए0 द्वारा किया जाना है। उपरोक्त ट्रेड से सम्बन्धित जनपद के निर्माण श्रमिकों हेतु रोजगार संगम पोर्टल पर पंजीकरण की सुविधा प्रारम्भ हो गयी है। इस सम्बन्ध में अधिक जानकारी जनपद के सेवायोजन कार्यालय अथवा कॉल सेन्टर नम्बर 155330 के माध्यम से प्राप्त की जा सकती है।

खाद व बीज समस्याओं के निराकरण हेतु जिला कृशि अधिकारी कार्यालय में कन्ट्रोल रूम किया गया स्थापित,–जिला कृषि अधिकारी अशोक कुमार ने बताया है कि वर्तमान रबी सीजन में कृषकों को उनकी आवश्यकता के अनुरूप कृषि निवेश यथा–बीज/उर्वरक आदि निर्धारित मूल्य पर उपलब्ध कराने, कृषि निवेशों की आपूर्ति व वितरण व्यवस्था पर सतत् निगरानी रखने तथा कृषि की समस्याओं को त्वरित निराकरण हेतु जिला कृषि अधिकारी कार्यालय के कक्ष में कन्ट्रोल रूम स्थापित किया गया है। कन्ट्रोल रूम में कृषकों से प्राप्त होने वाली समस्याओं को एक रजिस्टर सूचीबद्ध करने एवं हौसिला प्रसाद सिंह के समक्ष प्रस्तुत करने हेतु राजेश कुमार सिंह कनिष्ठ सहायक को एतद् द्वारा नामित किया जाता है। हौसिला प्रसाद सिंह कन्ट्रोल रूम के प्रभारी होगें जोकि कन्ट्रोल रूम में प्राप्त शिकायतों का त्वरित गति से निस्तारण करना सुनिश्चित करेगें। किसान भाई अपनी खाद व बीज से सम्बन्धित समस्याओं को मोबाइल नम्बर 9721813306 एवं 9452701556 पर राजकीय कार्य दिवस में पूर्वान्ह 10 बजे से सायं 5 बजे तक दर्ज करा सकते है।

डीएम–एसपी ने सुनी फरियाद

चित्रकूट। डीएम शिवशरण्प्पा जीएन एवं एसपी अरुण कुमार सिंह ने शनिवार को थाना समाधान दिवस के अवसर पर कोतवाली कर्वी में फरियादियों की शिकायतें सुनीं। उन्होंने प्रापत समस्याओं के शीघ्र निस्तारण के लिए संबंधित को निर्देश दिए। भूमि विवाद से संबंधित प्रकरण में राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम को मौके जाकर निस्तारण के लिए कहा गया। डीएम ने कहा कि यदि किसी भी लेखपाल तथा कानूनगो के क्षेत्र में कोई भी शिकायत लंबित पाई गई तो कार्यवाही की जाएगी। शासन स्तर से समीक्षा व फीडबैक भी लिया जाता है। शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण होना चाहिए। इस दौरान निस्तारण रजिस्टर का भी अवलोकन किया। इस मौके पर पुलिस उपाधीक्षक प्रशिक्षु फहद अली, प्रभारी निरीक्षक कोतवाली कर्वी उपेंद्र प्रताप सिंह सहित राजस्व एवं पुलिस विभाग के अधिकारी, कर्मचारी मौजूद रहे।

अभियंताओं ने किया रक्तदान

चित्रकूट। अभियंता दिवस के मौके पर उत्तर प्रदेश डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ जिला इकाई ने सिंचाई संघ भवन में इं. विश्वेशरैया का जन्मदिन धूमधाम से मनाया। साथ ही इं.. स्व रामकिशोर दत्त की पुण्यतिथि पर हवन पूजन कार्यक्रम किया गया। सहायक अभियंता इं गुरु प्रसाद की अगुआई में संघ के दर्जनों अभियंताओं ने जानकीकुण्ड हॉस्पिटल पहुंच कर रक्तदान किया। रक्तदाताओं में इं. रवि कुमार शर्मा, अभिषेक मिस्र, गिरीश कुमार, सहायक अभियंता गुरु प्रसाद, रजनीकांत मौर्य, चंद्रकांत गुप्ता, सर्वजीत सिंह पटेल ने रक्तदान किया। इं. गुरु प्रसाद ने बताया कि संघ के प्रेरणाश्रोत आरके दत्त की मृत्यु ब्लड की कमी जो समय से न मिलने के कारण हुई थी। तब से इंजीनियर्स ने संकल्प लिया की खून की कमी से किसी की जान न जाए। इस संकल्प के साथ दत्ता जी की पुण्यतिथि पर प्रदेश के लगभग तीन हजार अभियंता ब्लड डोनेट करते है। इसके उपरांत शंकर बाजार स्थित बालिका अंध विद्यालय में सौ कन्याओं को भोजन कराया गया।

एनटीपीसी विंध्याचल में प्रतियोगिता आयोजित

सोनभद्र। एनटीपीसी विंध्याचल परियोजना में शनिवार को गणेश चतुर्थी के अवसर पर पुजा समिति द्वारा कक्षा 04 से 09 तक के बच्चों एवं महिलाओं हेतु एकल–समूह नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें भारी संख्या में बच्चों के साथ–साथ नगर परिसर की महिलाओं नें भाग लिया एवं अपनी–अपनी मनमोहक नृत्य प्रस्तुत की। नगर परिसर में रहने वाले सभी नगरवासियों हेतु रंगोली, मूर्तिकला, पुजा थाली सज्जा प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें भारी संख्या में प्रतिभागियों नें भाग लिया एवं अपनी–अपनी मनमोहक भगवान गणेश की मूर्ति एवं रंगोली बनाकर सबको मंत्र मुग्ध कर दिया। मुख्य अतिथि द्वारा सभी के द्वारा बनाई गई मनमोहक गणेश मूर्ति एवं रंगोली की सराहना की गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि पूर्व क्षेत्रीय कार्यकारी निदेशक (डब्लू आर) संजय मदान, विशिष्ट अतिथि कार्यकारी निदेशक(विंध्याचल) ई सत्य फणि कुमार, विशेष अतिथि मुख्य महाप्रबंधक(प्रचालन एवं अनुरक्षण) समीर शर्मा, मानव संसाधन प्रमुख (विंध्याचल) राकेश अरोड़ा, अन्य महाप्रबंधकगण, सुहासिनी संघ की सदस्याएँ, पुजा समिति के सभी सदस्य एवं श्रद्धालुगण उपस्थित रहें। कार्यक्रम के अंत में मुख्य अतिथि द्वारा एवं उपस्थित अन्य अतिथियों द्वारा विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कृत भी किया गया।

संक्षेप

बुखार, पेटदर्द से महिला की मौत

चित्रकूट। पहाड़ी गांव की देवरती (60) को शुक्रवार को तेज बुखार व पेटदर्द होने पर परिजन जिला अस्पताल लाये। इलाज के दौरान शाम को उसकी मौत हो गई। पुत्र जितेंद्र ने बताया कि दो दिन से बुखार आ रहा था जिसका पहाड़ी में इलाज चल रहा था लेकिन कुछ लाभ न होने पर जिला अस्पताल लाये थे। उनके दो पुत्र चार पुत्रियां हैं। इसके अलावा शनिवार को मऊ के कोटराखांभा गांव की दो सगी बहनें प्रियंका व नीलम को तेज बुखार होने पर परिजन जिला अस्पताल लेकर आए। परसौंजा की रेनू, पुष्पा देवी, खंडेहवा भरतकूप की धोखिया देवी व अनुसुइया पुरवा भरतकूप के अर्जुन को पेटदर्द व बुखार से पीड़ित होने पर भर्ती किया गया है।

संवासियों के बीच कराई प्रतियोगिता

चित्रकूट। राजकीय सम्प्रेक्षण गृह किशोर में हिन्दी दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संवासियों के मध्य राष्ट्रीय हिन्दी दिवस विषय पर निवन्ध व सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता कराई गई। जिसमें 36 संवासियों ने प्रतिभाग किया। इसके बाद फल बांटे गए। इस दौरान प्रभारी वीर सिंह, सहायक अध्यापक राजीव कुमार सिंह, मानवेन्द्र प्रताप मिश्र, अभिषेक त्रिपाठी, अनिमेष मिश्रा, विनय कुमार, दीपक शर्मा आदि मौजूद रहे।

एडीएम ने लगाई फटकार

राजापुर (चित्रकूट)। थाना समाधान दिवस में अपर जिलाधिकारी उमेश चन्द्र निगम व क्षेत्राधिकारी निष्ठा उपाध्याय ने पांच शिकायती पत्रों में दो मामलों का निस्तारण मौके पर किया। शेष मामलों के निराकरण को राजस्व व थाने की टीम गठित की है।राजापुर थाना समाधान दिवस में अपर जिलाधिकारी उमेश चन्द्र निगम ने एक शिकायतकर्ता के मामले को संज्ञान में लेते हुए तहसीलदार रामसुधार राम से संबंधित लेखपाल को तलब किया। लेखपाल की मौजूदगी न होने फटकार लगाते हुए कहा कि लेखपाल के विरुद्ध कार्यवाही की जाए। निर्देश दिए कि थाना समाधान दिवस रजिस्टर में शेष प्रार्थना पत्रों का निस्तारण गुण और दोष के आधार पर 72 घण्टे के अन्दर कराएं। साथ ही यह भी कहा कि दोनो पक्षों की बाते सुनी जाए। प्रथम बार निस्तारण न होने पर दोबारा निस्तारित करने का प्रयास किया जाए। इस मौके पर प्रभारी निरीक्षक मनोज सिंह, राजस्व निरीक्षक राजेंद्र सिंह, सदर लेखपाल प्रदीप तिवारी, शारदा संगम, कपिलमुनी पांडेय, प्रियंका आदि मौजूद रहे।

एएसपी ने थाने में सुनी फरियाद

चित्रकूट। एएसपी ने थाना समाधान दिवस के अवसर पर थाना मऊ व बरगढ में फरियादियों की शिकायतों को सुनकर त्वरित निस्तारण के निर्देश सम्बन्धित को दिए हैं।शनिवार को अपर पुलिस अधीक्षक चक्रपाणि त्रिपाठी की अध्यक्षता में थाना समाधान दिवस का आयोजन मऊ व बरगढ़ थाने में किया गया। इस दौरान आए हुए फरियादियों की शिकायतों को सुनकर सम्बन्धित को शीघ्र निस्तारण करने के निर्देश दिये गए। भूमि विवाद से सम्बन्धित प्रकरण में राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम को मौके जाकर जांच के बाद ही निस्तारण के लिए कहा है। समाधान दिवस में तहसीलदार मऊ विजय कुमार, नायब तहसीलदार मऊ जितेन्द्र कुमार, प्रभारी निरीक्षक बरगढ़ राकेश मौर्या, अपराध निरीक्षक थाना मऊ अभयराज सिंह आदि मौजूद रहे।

जांच दल ने न्यायालय में की चेकिंग

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक अरूण कुमार सिंह के निर्देशों के तहत अपर पुलिस अधीक्षक चक्रपाणि त्रिपाठी के पर्यवेक्षण एवं उप निरिक्षक एलआईयू शिवसागर तिवारी के नेतृत्व में राष्ट्रीय लोक अदालत के अवसर पर एस चेक टीम बांदा, डॉग स्क्वॉयड, न्यायालय परिसर में लगे कर्मचारियों व एलआईयू की संयुक्त टीम ने सुरक्षा सतर्कता के दृष्टिगत न्यायालय परिसर के विभिन्न स्थानों पर सघन चेकिंग किया है।

हिंदी के प्रबल हिमायती थे भारतेन्दु

मीरजापुर । नगर के तिवराने टोला स्थित हिंदी गौरव डॉक्टर भवदेव पांडेय शोध संस्थान की ओर से हिंदी नवजागरण काल के प्रणेता भारतेन्दु बाबू हरिश्चंद्र के योगदान पर शोधार्थियों को विविध जानकारियां दी गईं। इस संबन्धा में संस्था के संयोजक सलिल पांडेय ने कहा कि राष्ट्रभाषा के उन्नयन के लिए हिंदी नवजागरण काल के प्रणेता भारतेंदु बाबू हरिश्चन्द्र को सिर्फ ब्रिटिश शासकों से ही नहीं बल्कि इन शासकों के हिमायती भारत के अत्यंत प्रभावशाली लोगों से भी मोर्चा लेना पड़ा। इसमें सर सैयद अहमद खां तो थे ही, साथ में भारतेन्दु बाबू के बाल–गुरु राजा शिव प्रसाद सितारे हिन्द भी शामिल थे, क्योंकि ये खुद भी उर्दू–फारसी में रचनाएं करते थे और मुशायरा नामक संस्था बनाई थी। भारतेंदु बाबू को भाषा के नाम पर राजनैतिक पैतरेबाजी पसंद नहीं थी। उनका विश्वास था कि राष्ट्रीय अस्मिता की अभिव्यक्ति आम जनता की भाषा में ही की जा सकती है। उनके मन में था कि हिंदी में लोकसमुदाय को भावात्मक सूत्र में बांधने की अपूर्व क्षमता है। भारतेन्दु बाबू हरिश्चंद्र ने प्रयाग की हिंदी–वर्धिनी सभा में मौजूद विद्वानों के समक्ष वर्ष 1877 में शहिंदी की उन्नतिश पर व्याख्यान दोहा छंदों में किया। इसमें कुल 98 दोहे थे। उनका यह व्याख्यान बालकृष्ण भट्ट ने अपनी पत्रिका शहिंदी प्रदीपश के प्रवेशांक में प्रकाशित किया।

पशु कूरूरता एवं पशु संरक्षण की दी जानकारी

मीरजापुर। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निर्देशन में जनपद न्यायाधीश, अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनमोल पाल के आदेशानुसार उच्च कम्पोजिट विद्यालय ग्राम अरगजा पाण्डेयपुर ब्लाक सीटी में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मीरजापुर के तत्वावधान में पशुओं क्रूरता एवं संरक्षण से सन्दर्भित जनजागरूकता शिविर का शुभारम्भ अपर जनपद न्यायाधीश, डीएलएसए सचिव विनय आर्या मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यापूर्ण एवं दीपप्रज्जवलित कर किया गया। इस दौरान जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव, अपर जनपद न्यायाधीश विनय आर्या ने उपस्थित खण्ड विकास अधिकारी शरद कुमार सिंह, बीईओ सिटी रवीन्द्र शुक्ल, विद्यालय प्रधानार्चाय, एवं ग्रामीण जनमानस को सम्बोधित करते हुए कहा कि पशु, पंक्षी किसी का हो उन पशुओं एवं पंक्षीयों पर दया करें, उनको समय से भोजन, पानी दवा, इलाज, इत्यादि का ध्यान देना चाहिए। उनके साथ क्रूरता नहीं दया करनी चाहिए क्योकि वह जुबान से बोल नहीं सकते है और अपने दुःख को व्यक्त नहीं कर पाते है। जबकि पशु पंक्षी आपकी भावनाओं को भली भांति समझते है। कभी कभी देखा जाता है कि मनोरंजन के लिए जानवरों को मारना और नुकसान पहुंचाया जाता है और घायल किया जाता है। यह कतई नहीं करना चाहिए क्योकि पशु पंक्षियों पर कूरता करना, अत्याचार करना कानूनी अपराध की श्रेणी में आता है और कानून में अर्थदण्ड से दण्डित करने का भी प्राविधान है। ग्रामीण व शहरी पशुपालको से अनुरोध है कि वह अपने अपने जानवरो व पशुओं को सड़कों पर खुला छुट्टा न छोड़े। उन्होने कन्या जन्म उत्सव योजना पर ग्रामीण जनों को जानकारी दिए और राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली, राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के योजनाओं, प्री–लिटिगेशन वैवाहिक विवाद, स्थायी लोक अदालत के सन्दर्भ में विस्तार पूर्वक जानकारी दिए। खण्ड विकास अधिकारी शरद कुमार सिंह ने उपस्थित जनमानस को सम्बोधित करते हुए बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में काफी मात्रा में पशुओं को छुटटा छोड देते है, जिससे आये दिन झगड़ा फसाद होता है। पशुओं पर दया भाव होना चाहिए और पशु पालक समय से अपने खाना, दवा इलाज अच्छे से करें। खण्ड शिक्षा अधिकारी, पशु चिकित्सक, राजस्व विभाग लेखपाल राम आसरे ने सम्बोधित करते हुए बताया पशुओं पर दया करें।

तीन दिवसीय अंतरष्ट्रीय रामलीला का शुभारंभ

चित्रकूट। अंतर्राष्ट्रीय रामलीला महोत्सव का डॉ राकेश मिश्र अध्यक्ष पं गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास एवं डॉ. वेद प्रकाश टंडन अध्यक्ष अंतर्राष्ट्रीय रामलीला द्वारा तीन दिवसीय रामलीला का आयोजन तुलसी पीठ परिसर के श्रीरामचरितमानस मंदिर में जगद्गुरु रामभद्राचार्य महाराज के सानिध्य में किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ महिला बाल विकास मंत्री भारत सरकार सुमित्रा ठाकुर, समन्वयक डॉ. वंदना टंडन, संयोजक आचार्य रामचंद्र दास द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस दौरान गुरुकुल में अध्यनरत नन्हे कलाकारों ने गणेश वंदना उपस्थित कर श्रद्धालुओं, भक्तजनों का मन मोह लिया।

श्री तुलसी पीठ आमोद वन चित्रकूट जिला सतना मध्य प्रदेश में प्रथम दिवस की लीला के अवसर पर जगद्गुरु रामभद्राचार्य महाराज ने डॉ राकेश मिश्र एवं डॉ वेद प्रकाश टंडन द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय रामलीला महोत्सव की सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रभु श्री राम मानवता के मापदंड हैं। मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीरामचंद्र को अपने जीवन में लाएं, मानवता जीवन का मंत्र है। उन्होंने कहा कि रामघाट पर बजरंगबली ने गोस्वामी तुलसीदास से कहा कि कल माघ अमावस्या है। मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम जब घाट पर आएंगे तो आपको भगवान प्रभु श्रीराम के दर्शन का पुण्य लाभ अर्जित होगा। दूसरे दिवस वह पुण्य अवसर आया प्रभु श्रीराम घाट पर स्नान करके जैसे ही गोस्वामी तुलसीदास के समक्ष गए बजरंगबली ने कहा कि चित्रकूट के घाट में भई संतन

की भीड, तुलसीदास चंदन घिसए तिलक देत रघुवीर जैसे ही गोस्वामी तुलसीदास ने बजरंगबली के वचनों को सुना तो गोस्वामी तुलसीदास ने मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम के चरण पकड लिए और दर्शन के गोस्वामी तुलसीदास ने कहा कि हे प्रभु मैं आपके चरित्र को जन–जन तक पहुंचाऊंगा। यह कार्य श्रीरामचरितमानस महाकाव्य के माध्यम से आज घर–घर में प्रभु श्रीराम के चरित्र को लयबद्ध पूर्ण तरीके से गायन किया जा रहा है और भक्ति की गंगा में भक्ति श्रद्धा व पुण्य लाभ अर्जित कर रहे हैं।

महिला बाल विकास मंत्री भारत सरकार सुमित्रा ठाकुर ने कहा कि डॉ राकेश मिश्र एवं डॉ वेद प्रकाश टंडन द्वारा देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा संस्कृत को बचाने के लिए किए जा रहे कार्य आगे बढाने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा भगवान श्रीकृष्ण जन्माष्टमी को ऐतिहासिक बनाते हुए छात्र–छात्राओं में भगवान श्री कृष्ण के भाव को जगाने के उद्देश्य से स्कूलों में भी भगवान जन्माष्टमी मनाने का कार्य किया जा रहा है। ऐसे आयोजनों से ऐसे कार्यक्रमों से संस्कृत का प्रचार प्रसार हो रहा है।प्रथम दिवस की लीला में भारत के इतिहास में पहली बार जोडे जा रहे चित्रकूट स्थान जहां गोस्वामी तुलसीदास को इस धरा पर मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम ने इस धरा पर दर्शन दिया था। जिसमें गुरुकुल के बच्चों ने विशेष तैयारी की जहां दरस दिए प्रभु श्रीराम ने वह चित्रकूट है मेरे सामने। आज की लीला में प्रभु श्रीराम के जन्म से सीता स्वयंवर तक रामलीला का मंचन किया गया। अंतर्राष्ट्रीय रामलीला की विशेषता यह रही की प्रतिभा और प्रौद्योगिकी के माध्यम से भावपूर्ण प्रस्तुतियां देखकर श्रद्धालु भाव विभोर हो गए।

कई जिलों के बड़े कलाकारों ने किया मंच साझा

सोनभद्र(आरएनएस) । सोन घाटी सोन माटी के सोन धरा पर भव्य एवं दिव्य कजरी महोत्सव का आयोजन संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश, उत्तर प्रदेश लोक एवं जनजाति संस्कृति संस्थान लखनऊ, भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय लखनऊ, जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वाधान में राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज चुर्क के प्रांगण में 17 सितंबर,2024, दिन मंगलवार को सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में जिलाधिकारी बद्री नाथ सिंह, निदेशक उत्तर प्रदेश लोक कला एवं जनजाति संस्कृति संस्थान अतुल द्विवेदी इंजीनियरिंग कॉलेज के निदेशक जी0एस0 तोमर ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया, कजरी गायन में आश्रया द्विवेदी प्रयागराज व राकेश उपाध्याय गोरखपुर द्वारा प्रस्तुति दी गई। कजरी गायन एवं नृत्य फगुनी देवी मीरजापुर, करमा, डोमकच, झूमर नृत्य नाटिका आशा देवी सोनभद्र द्वारा प्रस्तुत किया गया। इसी प्रकार से कजरी गायन एवं नृत्य विन्ध्य कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा तथा नृत्य नाटिका शिवानी मिश्रा वाराणसी द्वारा प्रस्तुति की गई। सभी सम्मानित कलाकारों को जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह, निदेशक लोक कला एवं जनजाति संस्कृति संस्थान लखनऊ अतुल द्विवेदी के द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में जिलाधिकारी ने कहा कि भारतीय संस्कृति एवं सभ्यता पर आधारित ऐतिहासिक, पौराणिक, सांस्कृतिक विंध्य पर्वत की श्रृंखलाओं के हृदय तल पर स्थित पवित्र धरा पर भव्य एवं दिव्य,सुसज्जित तरीके से कजरी के महत्व को पहुंचाने का प्रयास सभी के सहयोग से किया गया, कजरी एक ऐसा कार्यक्रम है जो कजरी पूर्वी उत्तर प्रदेश का प्रसिद्ध लोकगीत है और कजरी की उत्पत्ति सोनभद्र व मिर्जापुर से ही मानी जाती है, सोनभद्र व मीरजापुर पूर्वी उत्तर प्रदेश में सोन व गंगा के किनारे बसा जिला है, यह वर्षा ऋतु का लोकगीत है, इसे सावन व भादो के महीने में गाया जाता है।

अतुल द्विवेदी ने कहा कि यह अर्ध–शास्त्रीय गायन की जीवंत शैली के रूप में भी विकसित हुआ है और यह गायन केवल बनारस घराने तक ही सिमित होता जा रहा है, कजरी गीतों में वर्षा ऋतु का वर्णन विरह–वर्णन तथा राधा–कृष्ण की लीलाओं का वर्णन अधिकतर मिलता है, कजरी की प्रकृति क्षुद्र है।

वन्देभारत पदयात्री का शिक्षको द्वारा स्वागत

सुल्तानपुर । दिन रविवार को कमला नेहरू संस्थान के शिक्षकों व कर्मचारियों द्वारा 16000 किलोमीटर पैदल यात्रा करने वाले आशुतोष पाण्डेय का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। यह स्वागत कार्यक्रम कमला नेहरू संस्थान गेट पर संस्थान उपप्राचार्य प्रोफेसर राधेश्याम सिंह के नेतृत्व में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर आशुतोष पाण्डेय नें बताया कि राष्ट्ररक्षा व राष्ट्र निर्माण के उद्देश्य से पर्यावरण संरक्षण की जनजागरूता हेतु यह पैदलयात्रा सम्पन्न की। इस यात्रा में 21 राज्यों के 2250 गांवो एवं 1080 स्कूलों व धार्मिक स्थलों पर 56800 रामवन की स्थापना की गई है। इस यात्रा के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण एवं शिक्षा सुधार हेतु 21 राज्यों के लाखों जनों में जागृति लायी गयी एवं जनपदीय प्रशासन को हरियाली विकास हेतु ज्ञापन भी सौंपा गया। पुरे लेखई गांव धम्मौर के निवासी आशुतोष पाण्डेय नें कहा कि राष्ट्र समर्पित हमारी यह यात्रा 4 दिसम्बर 2022 को प्रारम्भ हुई। आज यात्रा वापसी में सुलतानपुर जिलाधिकारी को वृहद स्तर पर वृक्षारोपण कराने व जनपद में जगह जगह रामवाटिका स्थापित करने हेतु ज्ञापन सौंपा जाएगा तथा सुल्तानपुर नगर के सीताकुंड घाट पर रामवाटिका की स्थापना होगी। इस मौके पर संस्थान के विधि संकाय डायरेक्टर प्रोफेसर सुशील कुमार सिंह, शिक्षा संकाय अध्यक्ष प्रोफेसर बिहारी सिंह, मुख्य अनुशासक सुधांशू प्रताप सिंह, अनुशासक डॉ आर पी मिश्र व सुशील कुमार मिश्र, आग्नेय सिंह, गौरव श्रीवास्तव व जयबहादुर सहित सैंकड़ो लोग उपस्थित रहे ।

आयुष्मान वानप्रस्थ विवि ने कराई प्रतियोगी परीक्षाएं

चित्रकूट। आयुष्मान वानप्रस्थ विश्वविद्यालय सामाजिक संस्था प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी विश्व अहिंसा दिवस के अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन कर रहा है। इसी क्रम में रविवार को जिले के पांच परीक्षा केंद्रों पर सामान्य ज्ञान, निबंधा व चित्रकला की प्राथमिक, जूनियर व सीनियर वर्ग की प्रतियोगिताएं आयोजित कराई गई। जिसमें गरीब 1989 बच्चों ने प्रतिभाग किया।

चित्रकूट इंटर कॉलेज कर्वी में प्रतियोगिताओं का शुभारंभ सहकारी बैंक के अध्यक्ष पंकज अग्रवाल व लीड बैंक के अग्रणी प्रबंधक अनुराग शर्मा, राष्ट्रपति पुरस्कार विजेता मइयादीन पटेल, ग्रामोदय विश्वविद्यालय के कला विभाग अध्यक्ष डॉ प्रसन्न पाटकर, डॉ मनीषा पाटकर, समाजसेवी अभिमन्यु सिंह, अधिवक्ता रूद्र प्रसाद मिश्र,ने किया। प्रतिभागी छात्रों ने संगीतकार लालमन के निर्देशन में रघुपति राघव राजा राम भजन गाया। गांधी जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर अतिथियों ने नमन किया।

इसी तरह शांति देवी इंटर कॉलेज पहाड़ी, राजकीय इंटर कॉलेज घुरेटनपुर, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय शिवरामपुर, बाल सुधार गृह चित्रकूट, भाभा कान्वेंट स्कूल कर्वी आदि विद्यालयों में भी प्रतियोगिताएं कराई गई। प्रतियोगिताओं के आयोजन में संस्था के निदेशक बलबीर सिंह, संयोजक फूलचंद चंद्रवंशी, अनीता सिंह, लक्ष्मी देवी, राज्यपाल पुरस्कार प्राप्त लालमन प्रजापति, मुकेश प्रजापति, रामबचन सिंह, शंकर प्रसाद यादव, राकेश कुमार मगरौठिया, डा शिव शंकर शुक्ला आदि का सराहनीय योगदान रहा। परीक्षाओं के संपादन में लगे कक्ष निरीक्षकों एवं सहयोगियों को सम्मानित किया गया।

शियार ने काटा पीएचसी में भर्ती

ड्रमंडगंज, मीरजापुर। हलिया स्थानीय थाना क्षेत्र के कुशियरा गांव में शुक्रवार की रात्रि में जंगल से भटकर बस्ती में पहुंचे जंगली शियार ने घर में घूसकर सात लोगों को काटकर घायल कर दिया। शोर मचाने पर मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने लाठी डंडे से मारकर शियार को भगाते हुए घायलों को उपचार के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हलिया लेकर आये।

हिन्दी को राष्ट्रभाषा घोषित कराएंगे

चित्रकूट। जगद्गुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग द्वारा आयोजित 72वें हिन्दी दिवस समारोह की अध्यक्षता करते हुए जीवनपर्यन्त कुलाधिपति पद्मविभूषण जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने हिन्दी भाषा को राष्ट्रभाषा के रूप में स्थापित कराने का संकल्प लेते हुए कहा कि हिन्दी भाषा में संप्रेषणीयता अन्य भाषाओं की तुलना में अधिक है। इसी कारण गोस्वामी तुलसीदास ने अपने कालजयी ग्रंथ रामचरितमानस की रचना हिन्दी में की। उन्होंने इस अवसर पर हिन्दी की उन्नति में योगदान देने वाले साहित्यकारों को भी स्मरण किया ।

कार्यक्रम में तुलसीपीठ के उत्तराधिकारी रामचंद्र दास ने अपने वक्तव्य में वर्तमान में हिन्दी भाषा के वैश्विक फलक पर छाने तथा इसकी लोकप्रियता और दुर्दशा का सारगर्भित विश्लेषण प्रस्तुत किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. शिशिर कुमार पांडेय ने हिन्दी भाषा का सोशल मीडिया पर होने वाले प्रचार प्रसार को रेखांकित करते हुए इसके महत्त्व पर प्रकाश डाला। मंच पर मानविकी संकायाध्यक्ष डॉ. महेन्द्र कुमार उपाध्याय, भाषा संकायाध्यक्ष डॉ. किरण त्रिपाठी, हिन्दी विभाग के प्राध्यापक डॉ. शांत कुमार चतुर्वेदी, डॉ. पीयूष कुमार द्विवेदी आदि मौजूद रहे।

एनसीएल में मनाया जा रहा 'स्वच्छता अभियान

सोनभद्र। भारत सरकार की मिनीरत्न कंपनी नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एनसीएल) में 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान 'स्वभाव स्वच्छता संस्कार स्वच्छता' के संकल्प के साथ उत्साहपूर्वक मनाया जा रहा है। इस अभियान के तहत एनसीएल मुख्यालय सहित सभी परियोजना एवं इकाइयों में वृहद स्तर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। 16 सितंबर से एनसीएल में 'स्वच्छता ही सेवा'अभियान की शुरुआत "स्वच्छता शपथ" के साथ की गयी। इस अभियान के तहत बुधवार को एनसीएल की अमलोरी परियोजना ने स्वच्छता जागरूकता फैलाने एवं जनमानस को इस अभियान में भाग लेने हेतु प्रेरित करने के उद्देश्य से सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय, अमलोरी में "स्वच्छता पाठशाला" और "स्वच्छता रैली" का आयोजन किया। शिविर के दौरान कुल 156 सफाई मित्रों ने स्वास्थ्य परीक्षण करवाकर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। इसी कड़ी में बुधवार को एनसीएल की झिंगुरदा परियोजना ने ग्राम पिपरखड़ में संचालित सैनेटरी पैड उत्पादन केंद्र में 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान के तहत स्वच्छता जागरूकता हेतु शपथ ग्रहण, रंगोली इत्यादि कार्यक्रम आयोजित किए। इसके अतिरिक्त एकल प्लास्टिक के कम प्रयोग हेतु जूट बैग्स का वितरण एवं 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत वृक्षारोपण भी किया गया।इसी क्रम में गुरुवार को एनसीएल की खड़िया एवं जयंत परियोजना ने "स्वच्छता संवाद' कार्यक्रम का आयोजन किया। 'स्वच्छता ही सेवा' की इस मुहिम के तहत कंपनी द्वारा कार्यालयों एवम् परिधीय समुदाय को स्वच्छता के लिए प्रेरित किया जा रहा है। 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान के दौरान शुक्रवार को एनसीएल मुख्यालय द्वारा केंद्रीय विद्यालय, सिंगरौली में विभिन्न कार्यक्रम जैसे स्वच्छता शपथ, स्वच्छता संवाद, स्वच्छता जागरूकता साईकिल रैली, ह्यूमन चेन इत्यादि का आयोजन किया गया। 'स्वच्छता ही

सूचना

सर्वसम्बन्धितों को सूचित किया जाता हे कि मेरी माता का नाम सीबीएसई बोर्ड इण्टर की मार्कशीट अनुक्रमांक नं 23742582 में Usha Shula प्रिंट है जो अशुद्ध है। शुद्ध नाम Usha Shukla होना चाहिए।

शपथकर्ता

Anant shukla
Sanjay kumar shukla
School Name- Laurels international School, Sarangapur Prayagraj
Mb. No.9935660645

महाकुंभ में 71 दलित संत महामंडलेश्वर बनेंगे

हिन्दुओं को बौद्ध, ईसाई बनने से रोकेंगे, मंदिर-मठ की जिम्मेदारी मिलेगी

प्रयागराज। 2025 में प्रयागराज महाकुंभ में एससी–एसटी समाज से 71 लोग महामंडलेश्वर बनेंगे। महामंडलेश्वर की उपाधि जूना अखाड़ा देगा। इन सभी संतों ने दो से तीन साल पहले अखाड़े में संन्यास लिया था। महामंडलेश्वर बनने के बाद इन्हें अखाड़े के मठ–मंदिरों की जिम्मेदारी दी जाएगी।

इसके पीछे मुख्य वजह धर्मांतरण रोकना है। सबसे ज्यादा ईसाई मिशनरी एससी–एसटी का धर्मांतरण करा रहे हैं। वहीं, बौद्ध धर्म भी तेजी से इस समाज में पैठ बना रहा है। इसे देखते हुए जूना अखाड़ा के संत मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, केरल, महाराष्ट्र और गुजरात पर फोकस कर रहे हैं। यहां आदिवासी–अनुसूचित जाति की आबादी अच्छी–खासी है।

महामंडलेश्वर को समझने से पहले अखाड़ा को जानना जरूरी३

पहले आश्रमों के अखाड़ों को बेड़ा अर्थात साधुओं का जत्था कहते थे। जत्थे में पीर होते थे। अखाड़ा शब्द का चलन मुगलकाल से शुरू हुआ। हालांकि, कुछ ग्रंथों के मुताबिक अलख शब्द से ही श्अखाड़ाश शब्द की उत्पत्ति हुई। धर्म के जानकारों के मुताबिक, साधुओं के अक्खड़ स्वभाव के चलते इसे अखाड़ा नाम दिया गया है।

माना जाता है कि आदि

शंकराचार्य ने धर्म प्रचार के लिए भारत भ्रमण के दौरान इन अखाड़ों को तैयार किया था। देश में फिलहाल शैव, वैष्णव और उदासीन पंथ के संन्यासियों के मान्यता प्राप्त कुल 13 अखाड़े हैं।

देश में 13 अखाड़ों को मान्यता

मान्यता प्राप्त 13 अखाड़ों के संत, महंत और महामंडलेश्वर को कुंभ के दौरान मेले में सुविधा और पेशवाई में निकलने का मौका मिलता है। हालांकि, उज्जैन 2016 में हुए कुंभ मेले के दौरान किन्नर अखाड़ा भी अस्तित्व में आया। लेकिन, अखाड़ा परिषद ने उसे मान्यता देने से मना कर दिया। बाद में किन्नर अखाड़ा श्री पंचदशनाम जूना अखाड़ा के हिस्से के रूप में शामिल किया गया। अलग मान्यता देने को लेकर विरोध चल रहा है।

फिलहाल, तीन संप्रदायों के अखाड़े हैं, जिनमें महामंडलेश्वर का पद होता है। ये तीनों संप्रदाय अलग–अलग हैं। इनमें शैव (शिव को मानने वाले), वैष्णव संप्रदाय (विष्णु और उनके अवतारों को मानने वाले) और उदासीन संप्रदाय शामिल हैं। इसमें शैव संप्रदाय के सात अखाड़े हैं। वैष्णव और उदासीन संप्रदाय के तीन–तीन अखाड़े हैं।

अखाड़ों में आचार्य महामंडलेश्वर, महामंडलेश्वर और महंत तीन प्रमुख पद होते हैं। इसके बाद काम के आधार पर अलग–अलग पद भी निर्धारित किए गए हैं। इनमें सभी का काम, अलग–अलग जिम्मेदारी तय होती है। जैसे, थानापति, कोतवाल, कोठारी, भंडारी, कारोबारी आदि।

साधु–संत जब पहली बार प्रवेश करते हैं, तो उन्हें पहले संन्यासी का पद मिलता है। इसके बाद महापुरुष, कोतवाल, थानापति, आसंधारी, महंत, महंत श्री, भंडारी, पदाधिकार सचिव, मंडलेश्वर, महामंडलेश्वर और हर अखाड़े का एक–एक आचार्य महामंडलेश्वर होता है, जो किसी भी अखाड़े का सर्वोच्च पद माना जाता है।

उज्जैन, प्रयागराज, नासिक, हरिद्वार में हर 12 साल में एक जगह कुंभ का आयोजन होता है। प्रयागराज और हरिद्वार में हर 6 साल में अर्धकुंभ लगता है। कुंभ और अर्धकुंभ में स्नान के दौरान इन सभी अखाड़ों को विशेष सुविधाएं मिलती हैं। स्नान के लिए विशेष प्रबंध होते हैं। इनके स्नान के बाद ही आम श्रद्धालु स्नान कर सकते हैं। कुंभ के दौरान सबसे ज्यादा साधु, अखाड़ों में प्रवेश करते हैं।

संत समाज में महामंडलेश्वर पद बड़ा ओहदा होता है। वे अपने शिष्य भी बना सकते हैं। उनका लोगों से जुड़ाव रहता है। वे जहां भी जाते हैं, उनका अलग प्रोटोकॉल होता है। कुंभ के शाही स्नान में महामंडलेश्वर रथ पर सवार होकर निकलते हैं। कुंभ मेले के दौरान टप्छ ट्रीटमेंट मिलता है।

अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रवींद्र पुरी महाराज बताते हैं– महामंडलेश्वर बनने के लिए किसी खास डिग्री की जरूरत नहीं होती। कोई सीनियॉरिटी नहीं चाहिए होती। यानी सबसे पहली स्टेज वाला संन्यासी भी सीधे महामंडलेश्वर बन सकता है। जरूरत है, तो सिर्फ आपके आर्थिक रूप से संपन्न, लोगों पर प्रभुत्व और धर्म में रुचि की।

वैसे, साल 2022 में अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रवींद्र पुरी महाराज ने हरिद्वार में कहा था कि कई महामंडलेश्वर अनपढ़ हैं, जो अनर्गल बयान देते रहते हैं। इसे ध्यान में रखते हुए महामंडलेश्वर बनने के लिए आचार्य की डिग्री अनिवार्य की जाएगी। इसके बाद इसे लागू भी किया गया।

हनुमान का रोल करने वाले युवक की हार्टअटैक से मौत

प्रयागराज की कटरा रामलीला में मंचन करता था, शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा

प्रयागराज। प्रयागराज के श्रीकटरा रामलीला कमेटी में हनुमान और शत्रुघ्न का रोल करने वाले आयुष (19) की मौत हो गई। पिता ने पुलिस को बताया कि आयुष कुछ दिनों से बीमार चल रहा था। शनिवार को उसे घर पर हार्टअटैक आया था। जिससे उसकी मौत हो गई। उसकी मौत की सूचना मिलने पर उसके स्थान पर दूसरे कलाकार कर्ण गोस्वामी को हनुमान के रोल के लिए तैयार किया गया। बाद में कर्ण गोस्वामी ने हनुमान का रोल किया। आयुष के निधन पर कमेटी के पदाधिकारियों ने शोक जताया और श्रद्धांजलि दी। उसके शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है, रिपोर्ट आने के बाद स्पष्ट हो पाएगा कि युवक की मौत कैसे हुई है। श्रीकटरा रामलीला कमेटी के कोषाध्यक्ष अश्वनी केसरवानी ने बताया कि आयुष ऋृंगार चौकी की रामलीला से जुड़े थे। अचानक उनकी मौत की खबर से सभी दुखी हैं।

प्रयागराज में तालाब में डूबने से दो लड़कों की मौत

भेड़ को नहलाते वक्त 11वीं का छात्र पानी में समाया, बचाने में दोस्त भी डूबा

प्रयागराज। प्रयागराज में तालाब में डूबने से दो लड़कों की मौत मौत हो गई। तालाब में भेड़ को नहलाने के दौरान 11वीं का छात्र अतुल गहरे पानी में समाने लगा। वह चीखा तो साथ रहा 13 साल रवि उसे बचाने को आगे बढ़ा और वह भी गहरे पानी में समा गया। तालाब के पास मौजूद लोगों ने दोनों लड़कों को डूबते देखा तो चीख पुकार मची। बचाने के लिए कई लोग तालाब में उतर गए। अतुल और रवि को पानी से निकाल कर पास के अस्पताल ले जाया गया जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। दोनों की मौत से परिवार में कोहराम मचा है। घटना प्रयागराज के यमुनापार इलाके के घुरपुर थाना क्षेत्र की है। ललसहिया गांव का रहने वाला 17 साल का अतुल कुमार पाल पुत्र लाल बाबू पाल पड़ोस के रहने वाले 13 साल के रवि प्रजापति के साथ चिल्ली चकिया में स्थित तालाब में भेड़ को नहलाने पहुंच गया। भेड़ को नहलाते वक्त अतुल गहरे पानी में डूबने लगा। वह चीखा तो रवि उसे बचाने आगे बढ़ा। इस दौरान दोनों गहरे पानी में समा गए। इसके बाद हंगामा मच गया। तालाब के आसपास मौजूद लोग पानी में उतर गए। तैराकी जानने वाले कई युवक भी कूद पड़े। ग्रामीणों ने दोनों को तालाब से निकाला। उन्हें प्राइवेट अस्पताल ले गए लेकिन उनकी जान जा चुकी थी। अतुल कुमार पाल 11वीं कक्षा का छात्र था जबकि रवि प्रजापति सातवीं में पढ़ता था। दोनों परिवारों का रो रोकर बुरा हाल है।

गर्भवती को लेकर जा रही एम्बुलेंस पलटी

चालक की लापरवाही से हुआ हादसा, महिला की हालत गंभीर, 4 लोग जख्मी

मेजा। प्रयागराज के मेजा में एक एम्बुलेंस पलट गई। हादसे में गर्भवती महिला जख्मी हो गई। प्रसव पीड़ा के बाद गर्भवती महिला को अस्पताल लेकर जाया जा रहा था। हादसा राजमार्ग पर लक्षन का पुरा गांव के सामने हुआ। चालक की लापरवाही के चलते सड़क के किनारे गड्ढे मे पलट गई। इससे स्थानीय लोगो मे हड़कंप मच गया। सूचना पर अस्पताल कर्मियों साहित पुलिस मौके पर पहुंची। महिला को दूसरे एम्बुलेंस से अस्पताल भेज इलाज हेतु दाखिल कराया गया है। मेजा थाना क्षेत्र के हरदिहा गाव की रहने वाली अनीशा कुमारी पत्नी गुनराज गर्भवती है। उन्हें समस्या होने पर परिजनों द्वारा एम्बुलेंस बुलाई गई। एम्बुलेंस अनीशा को लेकर सीएचसी के लिए निकली थी। तभी तेज रफ्तार के कारण एम्बुलेंस लूतर वाया भाईया राजमर्ग पर लक्षन् का पुरा गाव के सामने बेकाबू होकर सड़क के किनारे गड्ढे मे पलट गई। इससे एम्बुलेंस मे सवार लोगो समेत स्थानीय लोगो मे हड़कंप मच गया। 4 लोगों को मामूली चोट आई है। घटना की जानकारी पर मेजा सीएचसी अधीक्षक डॉ. बबलू सोनकर, मेजा थानाध्यक्ष राजेश उपाध्याय फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने दूसरे एम्बुलेंस को बुलाकर गर्भवती महिला को इलाज के लिए फौरन सीएचसी मेजा भेजवाया। जहां महिला का अस्पताल मे इलाज चल रहा है। मामले मे मेजा थानाध्यक्ष राजेश उपाध्याय ने बताया की घटना की सूचना पर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। महिला को दूसरे एम्बुलेंस से अस्पताल मे दाखिल कराया गया है।

प्रयागराज में डीएम पीडब्ल्यूडी के कार्यो का निरीक्षण करेंगे

महाकुंभ से जुड़े निर्माण कार्यो को समय से पूरा करने के दिए निर्देश

प्रयागराज। प्रयागराज में जिलाधिकारी ने शहर में महाकुंभ को लेकर चल रहे कार्यो को निर्धारित समय के अंदर पूरा कराने का निर्देश दिया है। रविवार को पत्रकार वार्ता करते हुए जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ ने बताया कि शनिवार को उन्होंने पर्यटन विभाग की तरफ से हो रहे कार्यों का निरीक्षण किया था। इस दौरान क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी को कार्यों को समय से पूरा कराने का निर्देश दिया। उन्होंने नागवासुकी मंदिर, अलोपशंकरी, दशास्वमेध घाट मंदिर समेत अन्य मंदिरों में चल रहे कार्यों का निरीक्षण किया। महाकुंभ को देखते हुए प्रयागराज में लगातार विकास के कार्य तेजी से पूरा कराने की कवायद चल रही है। इसमें शहर की प्रमुख सड़कों के चौड़ी करण के साथ ही आस पास के इलाकों को शहर से जोड़ने के लिए रिंग रोड तैयार कराया जा रहा है। शहर की सड़कों के चौड़ीकरण का कार्य प्रयागराज विकास प्राधिकरण करा रहा है और रिंग रोड का कार्य पीडब्ल्यूडी को कराना है। हालांकि सभी कार्य अभी आधे अधूरे है। ऐसे में पिछले दिनों प्रयागराज आने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी कार्यों को समय से पूरा कराने का निर्देश दिया था। सीएम ने निर्माण कार्यों को पूरा करने के लिए नई तिथि भी दी थी। इन कार्यों को पूरा करने के लिए शासन की तरफ से दस दिसंबर का समय दिया गया है। जिससे इनके निर्माण का कार्य पूरा किया जा सके। डीएम ने बताया कि वह नियमित रूप से कार्यों की प्रगति की समीक्षा करेंगे और सोमवार को रिंग रोड के कार्यों का निरीक्षण करेंगे। महाकुंभ के पहले शहर का स्वरूप बदलने की कवायद तेज हो गई है। इसमें सड़कों के चौड़ीकरण और सौदर्यीकरण के साथ ही चौराहों को विकसित करने का कार्य होना है। चौराहों को सुंदर बनाने के साथ ही खास तरीके से विकसित किया जाना है। इसकी जिम्मेदारी प्रयागराज विकास प्राधिकरण के कंधों पर है। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ ने पीडीए समेत सभी विभागों को गुणवत्ता के साथ कार्यों को समय से पूरा कराने का निर्देश दिया। हालांकि रविवार को उन्होंने जिलाधिकारी प्रयागराज बनने के बाद पहली बार मीडिया से मिलने के लिए पत्रकार वार्ता का आयोजन किया था।

प्रयागराज में टूटी मिली मां काली की मूर्ति, हंगामा

लोग बोले– चबूतरे पर स्थापित मूर्ति को तोड़ दिया गया, जिसने ऐसा किया, उसे सजा मिले

प्रयागराज। प्रयागराज में काली माता की मूर्ति को खंडित करने पर हंगामा हो गया। पुलिस ने पहुंच आक्रोशित लोगों को शांत कराया। मामला गंगापर के मऊआइमा थाना क्षेत्र के कटभर परवेजपुर गांव का है। रविवार सुबह गांव के लोगों देखा तो मूर्ति खंडित कर दी गई थी। इससे आक्रोश फैल गया। लोगों की भीड़ जुटी और पुलिस को सूचना दी गई। स्थानीय लोगों ने कड़ी कार्रवाई की मांग की है। असल में कटघर परवेजपुर गांव में 10 साल पहले एक चबूतरा बनाकर मां काली की मूर्ति स्थापित की गई थी। गांव के लोग यहां पूजा अर्चना करते रहे हैं। बीती रात किसी शरारती तत्व ने मूर्ति को खंडित कर दिया। इसका पता गांववालों को रविवार सुबह हुआ। गांव के लोगों ने खंडित मूर्ति को जमा कर उसे ढक दिया। इसके बाद ने पहुंच जांच की। मऊआइमा थाना प्रभारी वीरेंद्र मिश्र का कहना है कि सूचना पर फोर्स पहुंची है जांच की जा रही है।

महाकुंभ में अंग्रेजी समेत 11 भाषाओं में मिलेगी जानकारी

मेला प्राधिकरण ने शुरू की तैयारी, नवंबर में एप की होगी शुरुआत

प्रयागराज। प्रयागराज में लगने वाले महाकुंभ 2025 को लेकर तैयारियां तेजी से पूरी की जा रहीं हैं। महाकुंभ में देश के अलग–अलग हिस्सों से लाखों की संख्या में लोग आने वाले हैं। ऐसे में उनकी सहुलियत के लिए मेला विकास प्राधिकरण अपने स्तर से हर संभव प्रयास करने में जुटा है।

खासतौर पर मेला में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी स्थान पर जाने के लिए सबसे बड़ी दिक्कत पूछताछ में होती है। ऐसे में भाषा को लेकर होने वाली दिक्कत को देखते हुए मेला प्राधिकरण की तरफ से इस बार महाकुंभ में हिंदी और अंग्रेजी समेत देश की कुल 11 भाषाओं में जानकारी लेने का ऑप्शन लोगों के पास एक एप में होगा। मेला प्राधिकरण की तरफ से नवंबर में ही एप को जारी करने की तैयारी है।

गूगल से हो चुका है करारा, अब मेले की जानकारी देगा गूगल

महाकुंभ और माघ मेला के दौरान मेला क्षेत्र के अंदर की सड़कों से लेकर अखाड़ों के जगह की जानकारी गूगल मैप से नहीं मिलती थी। इस बार से यह जानकारी भी गूगल मैप लोगों के साझा करेगा। मेला प्राधिकरण की तरफ से इसके लिए गूगल के साथ करार किया गया है।

इस बारे में अपर मेला अधिकारी विवेक चतुर्वेदी ने बताया कि गूगल के साथ बातचीत हो गई है। अब गूगल ने भी मेला और उसके अंदर की चीजों की जानकारी यूजर के साथ शेयर करेगा। जिस प्रकार अभी लोग गूगल मैप का सहारा लेकर किसी भी स्थान तक पहुंच सकते हैं।

उसी प्रकार मेला क्षेत्र के अंदर भी गूगल के यूजर महाकुंभ मेला क्षेत्र गूगल मैप के जरिए पहुंच सकेंगे। अभी तक मेला को लेकर गूगल उसको अलग जिले के रूप से मान्यता नहीं देता था। लेकिन इस बार करार होने के बाद से इस समस्या का समाधान लोगों को मिल जाएगा।

लव मैरिज कर हाईकोर्ट से मांगी सुरक्षा

शादी कराने वाली संस्था ने कहा– प्रमाण पत्र नहीं दिया

प्रयागराज। प्रेम विवाह के मामले में हाईकोर्ट पहले भी दस्तावेजों की जांच कराने का आदेश दे चुका है। अब एक मामले में प्रेमी जोड़ों ने हाईकोर्ट में सुरक्षा की गुहार लगाई तो शादी कराने वाली संस्था ने हाथ खड़े कर दिए। कहा कि उन्होंने प्रमाण पत्र नहीं जारी किया है। इसे लेकर कोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एसएचओ कोतवाली प्रयागराज को अपने को शादीशुदा बताकर संरक्षण मांगने आए याची जोड़े की विस्तृत जांच कर रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा है कि याची जोड़े का पता किया जाए कि उनकी शादी किसने कराई तथा विवाह प्रमाणपत्र किस संस्था से किसने दिलाया। जिस पुरोहित ने शादी कराई उसका नाम, पता व मोबाइल नंबर सहित पूरी जानकारी इकट्ठा करें। कोर्ट ने याची जोड़े को जांच में सहयोग करने का निर्देश दिया और कहा कि सहयोग न करें तो उन्हें अगली सुनवाई की तिथि पर अदालत में विस्तृत रिपोर्ट के साथ पेश किया जाए। याचिका की सुनवाई 16 अक्टूबर को होगी।

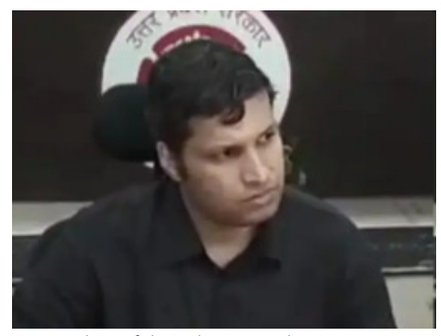

रावण वध के बाद लगे जय श्रीराम के नारे

प्रयागराज के बरगद घाट पर जला 15 फीट के रावण का पुतला, जमकर हुई आतिशबाजी

प्रयागराज। प्रयागराज में दशहरे के मौके पर विभिन्न रामलीला कमेटियों की ओर से रावण वध का मंचन किया गया तो कहीं रावण का पुतला जलाया गया। बरगद घाट पर 15 मिनट का रावण का पुतला जलाया गया। वहीं रामलीला कमेटी कटरा के मंच पर राम और रावण के बीच युद्ध का मंचन किया गया। यहां रावण का वध होने पर पंडाल में बैठे दर्शक जय श्रीराम के नारे लगाने लगे। आतिशबाजी की जाने लगी। इसी तरह चौक समेत अन्य इलाकों में कहीं रामदल निकाले गए तो कहीं शोभायात्रा। पूरी रात लोग मेले में पैदल घूमते नजर आए।

सम्पादक
सिद्धनाथ द्विवेदी
प्रबन्धक निदेशक
दीपक जयसवाल
सम्पादकीय कार्यालय
11ई/2, ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के आधीन होगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सिद्धनाथ द्विवेदी द्वारा काम्पीटेंट बिजनेस सर्विसेज विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 399 कृष्णानगर कीडगंज से प्रकाशित।
सम्पादक–सिद्धनाथ द्विवेदी, आरएनआई नं. UPHIN/2007/22706 रजि.नं. AD-32/2008-09 ईमेल: amritkt.alld@gmail.com फोन नं. : 9453273951, 8799627062